हरिभूमि
झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि
रोहतक, रविवार 7 जनवरी 2024

11 स्वयंसेवकों ने ड्राइंग, रंगोली और खेलों में दिखाई प्रतिभा

12 पेट्रोल पंप के सेल्समैन से पिस्तौल के बल पर लूट

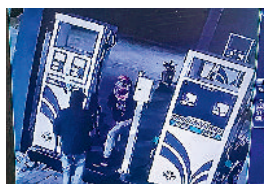

SANSKARAM GROUP OF SCHOOLS

जीतें **एक लाख** तक की स्कॉलरशिप

SANSKARAM SCHOLARSHIP UNIVERSE

टैलेंट आपके बच्चे का, स्कॉलरशिप हमारी ।

APPLICABLE FOR 5th to 12th CLASS

REGISTRATION FROM 1st Jan. to 14th Jan. 2024

Exam Date : 21st Jan. 2024

Exam Timing : 11:00 AM to 12:00 PM

Venue : Jhajjar Campus & Pataude Campus

NCERT Syllabus of the same class will be there in exam

Exam Pattern - Objective Type

Class	Subjects (20 Questions Each)	Marks	Duration
5th to 10th	Science, S.S , Maths, Reasoning	80	60 Min.
11th & 12th (Science)	Physics, Chemistry, Maths, Biology	80	60 Min.
11th & 12th (Commerce)	Economics, Accounts, B St, Maths	80	60 Min.
11th & 12th (Arts)	English, Pol. Sci., Geography, Reas.	80	60 Min.

Announcing Our Dream Project

शिक्षा सारथी बालिका छात्रवृति

Applicable for Classes 9th to 12th

लाभार्थी

सभी छात्राएं जो अपने अभिभावकों की इकलौती संतान हैं।

आदरणीय अभिभावक ,

आप सभी को नव वर्ष की शुभकामनाएं | शिक्षा का मानव जीवन को श्रेष्ठता के शिखर पर ले जाने में सबसे अहम योगदान होता है| शिक्षा से मात्र अभिप्राय किताबी ज्ञान का होना नहीं होता अपितु पुस्तकों के साथ साथ व्यवहारिक ज्ञान और अर्जित किये गए ज्ञान को सही समय पर सही जगह पर सदुपयोग करना भी है | जब हम जिक्र करते है विद्यार्थी के सर्वांगीण विकास का तो इसमें समाहित है शैक्षिणिक, सांस्कृतिक, रचनात्मकता, शारीरिक विकास एवम स्वयं को अभिव्यक्त करने की कला | संस्कारम स्कॉलरशिप के माध्यम से हम आपके बच्चे की प्रतिभा को श्रेष्ठ मंच और सर्वश्रेष्ठ अवसर प्रदान करने के साथ साथ एक लाख रुपए तक की छात्रवृति जीतने और अपने क्षेत्र के धुरंधर प्रोफेशनल शिक्षकों से सीखने, समझने और आगे बढ़ने के अवसर भी प्रदान करता करते है। प्रदेश के सबसे तेजी से बढ़ने वाले शिक्षण समूह और आपके बच्चे के लिए एक ही परिसर में केजी से पीएचडी डिग्री पूरा करने के सपने को साकार करते संस्कारम समूह अपने सभी अभिभावकों और विद्यार्थियों को ये विश्वास दिलाता है कि पिछले सात वर्षों की भांति भविष्य में भी संस्कारम के विद्यार्थी शैक्षणिक में, खेलों में,सांस्कृतिक एवम आर्ट्स एंड क्राफ्ट प्रतियोगिताओं नित नए आयाम स्थापित करते हुए सफलता की ऊंचाइयों को छूते रहेंगे। संस्कार,शिक्षा और सफलता का समागम संस्कारम यह सुनिश्चित करता है कि संस्कारम के सभी विद्यार्थी संस्कारों को सहेजते हुए शिक्षित होकर अपने अपने क्षेत्र में सफलता प्राप्त करें।

डॉ. महिपाल (चेयरमैन: संस्कारम ग्रुप)

JHAJJAR CAMPUS :+91 8222889860,62 | PATAUDA CAMPUS :+91 9053007801,02

शेयर खरीदने के बाद रहें बेफिक्र
भाव गिरे तब भी फायदे में रहोगे

हर सौदे में नुकसान से बचने के लिए हेजिंग करना जरूरी ● स्टॉक मार्केट में हेजिंग का मतलब रिस्क मैनेजमेंट स्ट्रेटेजी ● यह आपको बड़े नुकसान से बचाने में हर हाल में सक्षम ● शेयरों में पैसा लगाना बाजार जोखिमों के अधीन होता है ● फ्यूचर एंड ऑप्शन में कॉल और पुट की एक्सपायरी भी ● इसकी अवधि एक माह तक हो सकती है ● आप हर माह अपनी कैश पॉजिशन को नुकसान से बचा सकते हैं

बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में पैसा लगाते वक्त एक डर हमेशा निवेशकों के मन में रहता है कि कहीं स्टॉक गिर तो नहीं जाएगा। यह चिंता बड़े निवेशकों को बहुत रहती है, क्योंकि जो व्यक्ति बाजार में 10 लाख, 1 करोड़ या उससे ज्यादा पैसा लगाता है तो शेयरों में गिरावट होने का डर लाजिमी है, लेकिन, शेयरों में करोड़ों रुपये लगाने वाले इन्वेस्टर्स नुकसान से बचने के लिए बीमा भी करा लेते हैं। आप सोचेंगे कि शेयर खरीदने पर कौन-सा इंश्योरेंस होता है हमने तो आज तक नहीं सुना। आपने नहीं सुना इसका यह मतलब नहीं है कि ऐसा नहीं होता है। चूंकि शेयरों में पैसा लगाना बाजार जोखिमों के अधीन है और जहां रिस्क है वहां खुद को सिक्योर करना बहुत जरूरी है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए शेयर बाजार में फ्यूचर एंड ऑप्शन के कॉन्सेप्ट को लाया गया है, जिन्हें हेजिंग टूल कहा जाता है। इस रिपोर्ट के जरिये हम आपको बताएं कि कि एफ एंड ओ यानि फ्यूचर एंड ऑप्शन क्या है। इसके क्या लाभ हैं। यह कैसे शेयर का भाव गिरने पर भी नुकसान नहीं होन देता।

जरा सोचिये, 13 लाख रुपये कितनी बड़ी रकम होती है और वह हम ऐसे बाजार में रखते हैं जहां रिस्क और रिवॉर्ड दोनों मिलते हैं। जिस तरह हम महंगी गाड़ी खरीदने पर इंश्योरेंस कराते हैं और कीमती जेवरों की सुरक्षा के लिए उन्हें लॉकर में रखते हैं, इन दोनों कामों के लिए हमें प्रीमियम या किराया देना होता है। ठीक उसी तरह फ्यूचर एंड ऑप्शन में प्रीमियम अदा करके अपनी 13 लाख रुपये की पॉजिशन को हेज कर सकते हैं।

क्या होती है हेजिंग

बाजार के जानकारों का कहना है कि स्टॉक मार्केट में हेजिंग का मतलब रिस्क मैनेजमेंट स्ट्रेटेजी यानी जोखिम प्रबंधन रणनीति है। इसका इस्तेमाल निवेशकों द्वारा शेयरों की कीमत में होने वाले से संभावित नुकसान को कम करने के लिए किया जाता है। हेजिंग की सुविधा शेयर, बॉन्ड, कमोडिटी और करेंसी सभी मार्केट में उपलब्ध है। इसे असानी से लिया जा सकता है। इसके कई प्रकार के लाभ होते हैं।

जोखिम से बचाने वाला बीमा

मान लीजिये आपने बहुत रिसर्च करके कोई शेयर खरीदा और आप आश्वस्त हैं कि आने वाले दिनों में शेयर का भाव बढ़ेगा, लेकिन, बाजार में इसकी कोई गारंटी नहीं होती है। एक बुरी खबर से शेयर औंधे मुंह गिर जाते हैं। ऐसे में अपनी पॉजिशन को हेज करना बहुत जरूरी है। मान लीजिये आप कोई भी स्टॉक खरीदते हैं, जिसका भाव 130 रुपये है। अगर आपने 130 के भाव से 10,000 शेयर खरीदे यानी कुल 13 लाख रुपये का निवेश किया।

आसानी के कर सकते हैं

फ्यूचर एंड ऑप्शन में पुट या कॉल ऑप्शन खरीद या बेचकर कैश मार्केट की पॉजिशन को आसानी से हेज किया जा सकता है। हालांकि, कॉल और पुट खरीदने में सिर्फ प्रीमियम देना होता है जो काफी कम होता है, जबकि सेल करने के लिए मार्जिन लगता है जो काफी ज्यादा होता है। इसलिए निवेशक कम पैसे में अपने निवेश किए गए रुपयों को आसानी से हेज कर सकते हैं और होने वाले नुकसान से बच सकते हैं।

यह भी कर सकते हैं

निवेशकों ने जिस स्टॉक के लिए 130 के भाव पर 10,000 शेयर खरीदे हैं। अगर शेयर गिरा तो नुकसान से बचने के लिए आप इस स्टॉक के 130 रुपये की स्ट्राइक प्राइस का पुट ऑप्शन खरीद सकते हैं, जिसका भाव इस बाजार तक 4 रुपये तक चल रहा है और इसका लॉट साइज 10,000 है। आपको 40,000 रुपये का प्रीमियम देना होगा। यानी 13 लाख की कैश पॉजिशन में होने वाले नुकसान से बचने के लिए आपने 40,000 में पुट ऑप्शन खरीद लिया।

ऐसे होता है प्रॉफिट

अब आप देखिये कैश पॉजिशन में 1 लाख का प्रॉफिट होता है और पुट ऑप्शन में 40,000 का नुकसान भी हो जाए तो भी आप 60,000 के मुनाफे में रहेंगे। वहीं, अगर शेयर का भाव गिरकर 120 रुपये आ जाता है तो पुट ऑप्शन का प्रीमियम बढ़ेगा। ऐसे में कैश पॉजिशन में आपको 1 लाख का नुकसान होगा। वहीं, पुट का प्रीमियम बढ़कर 4 रुपये से बढ़कर 14 रुपये पहुंच जाता है तो यहां आपको 1 लाख रुपये का प्रॉफिट होगा यानी कैश पॉजिशन में 1 लाख का नुकसान और पुट ऑप्शन में 1 लाख का प्रॉफिट होने पर 'नो लॉस नो प्रॉफिट' रहेगा। अगर पुट का प्रीमियम 14 से बढ़कर 16 रुपये हुआ तो उल्टा आप 20,000 के प्रॉफिट में रहेंगे। हालांकि, फ्यूचर एंड ऑप्शन के जरिए हेजिंग करने के लिए शेयरों की चाल पर नजर रखना बहुत जरूरी है, जिस दिशा में शेयर बढ़े उसके हिसाब से पॉजिशन को काटना जरूरी है, ताकि ज्यादा से ज्यादा मुनाफा हासिल किया जा सके। बता दें कि फ्यूचर एंड ऑप्शन में कॉल और पुट की एक्सपायरी होती है, जिसकी अवधि एक माह होती है। आप हर माह अपनी कैश पॉजिशन को हेजिंग के जरिए नुकसान से बचा सकते हैं।

एक दो नहीं, बल्कि 5 तरह की होती हैं एसआईपी

बिजनेस डेस्क

बिजनेस डेस्क। शेयर बाजार में निवेश करने वालों के लिए यह जानना बेहद जरूरी है कि एसआईपी कितने प्रकार की होती है, एसआईपी के बार में सुना तो लगभग सभी ने होगा, लेकिन यह बात कम ही लोग जानते हैं कि एसआईपी भी कई तरह की होती है। बाजार के जानकारों का कहना है कि एसआईपी करीब पांच प्रकार की होती है। इसमें निवेश करना बेहद फायदेमंद माना जाता है। यह आपको 10 से 30 फीसदी तक का रिटर्न देकर मालामाल करने में सक्षम होती है। जब कभी बात निवेश की आती है तो आपने अक्सर लोगों को ये सुझाव देते सुना होगा कि एसआईपी शुरू कर लो। एसआईपी यानी सिस्टेमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान। इसके तहत आप हर महीने एक तय रकम किसी म्यूचुअल फंड में निवेश करते हैं। हालांकि, ये बात कम ही लोग जानते हैं कि एसआईपी भी कई तरह की होती है। आइए जानते हैं कितनी तरह की होती है एसआईपी और कैसे करती है काम।

क्षमता के हिसाब से निवेश कर कमा सकते हैं अच्छा पैसा

एसआईपी 10 से 30 फीसदी तक का रिटर्न देने में सक्षम

सालाना आधार पर एसआईपी की रकम को बढ़ाते जाएं

1. रेगुलर एसआईपी

सबसे पहली है रेगुलर एसआईपी, जिसके तहत आप हर महीने एक तय रकम निवेश करते हैं। यह आप हर महीने, तिमाही या छमाही आधार पर कर सकते हैं। आपके पास ये विकल्प होता है कि आप तारीख खुद से चुन सकते हैं।

2. स्टेप-अप एसआईपी

इस एसआईपी के तहत आपको एक तय अवधि में एसआईपी को बढ़ाने की सुविधा मिलती है। जैसे सालाना आधार पर आप एसआईपी की रकम को बढ़ा सकते हैं। मान लीजिए कि आप हर महीने 10 हजार रुपये की एसआईपी करते हैं, तो इसके तहत आप उसे

हर साल 10 फीसदी या 5 फीसदी जो भी आप चाहे उस दर से बढ़ा सकते हैं. इसके तहत आपका निवेश ऑटोमेटिक तरीके से बढ़ता चला जाता है।

3. फ्लेक्सिबल एसआईपी

इसके बाद नंबर आता है फ्लेक्सिबल एसआईपी का, जिसके तहत आप अपनी एसआईपी में कुछ बदलाव कर सकते हैं। उदाहरण के लिए आप एसआईपी की रकम बढ़ा सकते हैं या घटा सकते हैं। हालांकि, अगर आप ऐसा कुछ करना चाहते हैं तो इसके लिए आपको अपने फंड हाउस को एसआईपी कटने की तारीख से करीब हफ्ते भर पहले बताना होगा।

4. ट्रिगर एसआईपी

यह सबसे दिलचस्प एसआईपी है। इसमें आप पैसे, समय और वैल्युएशन के आधार पर तय कर सकते हैं कि कब एसआईपी ट्रिगर होगी। आप इसके लिए पहले से ही कंडीशन लगा सकते हैं। जैसे अगर कीमत के आधार पर बात करें तो आप कंडीशन लगा सकते हैं कि जब एनएवी 1000 रुपये से अधिक हो जाए तो ट्रिगर एसआईपी शुरू हो जाए। वहीं, आप ये भी तय कर सकते हैं कि अगर एनएवी 1000 रुपये से कम हो जाए तो आपके कुछ अतिरिक्त पैसे एसआईपी में लगने लगें। इसी तरह से समय और वैल्युएशन के आधार पर भी ट्रिगर एसआईपी को प्लान किया जा सकता है।

5. इंश्योरेंस के साथ एसआईपी

ये वह एसआईपी होती है, जिस पर आपको टर्म इंश्योरेंस कवर भी मिलता है। अलग-अलग फंड हाउस में यह अलग-अलग तरीके से हो सकती है। कुछ इसके तहत पहली एसआईपी के अमाउंट का 10 गुना तक इंश्योरेंस कवर देते हैं, जो बाद में बढ़ता जाता है। यह फीचर सिर्फ इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में मिलता है और इस पर एक कैपिंग होती है, जैसे 50 लाख रुपये।

इन्वेस्टमेंट जल्दी शुरू करें

जल्दी इन्वेस्टमेंट से मतलब है, कम उम्र में निवेश शुरू कर देना। ऐसा करके आप एसआईपी में ज्यादा टाइम तक इन्वेस्ट कर रिटर्न के रूप में बड़ा अमाउंट पा सकते हैं। एसआईपी में जितना दिन आपका इन्वेस्टमेंट रहेगा, आपको उतनी ही ज्यादा कंपाउंडेड रिटर्न मिलेगा। इसलिए 20 से 30 साल की उम्र के बीच इन्वेस्टमेंट शुरू कर दें।

रेगुलर इन्वेस्टमेंट करें

रेगुलर इन्वेस्टमेंट से एक फाइनेंशियल डिसिप्लिन मेंटेन होता है। इसका एक और फायदा है-अगर आप रेगुलर इन्वेस्टमेंट करते हैं, तो कई बार औसत लागत से ज्यादा फायदा मिल जाता है। इसका मतलब यह है कि अगर कीमतें कम होती हैं, तो आप ज्यादा यूनिट खरीदते हैं और जब कीमतें ज्यादा होती हैं तो आप कम यूनिट खरीदते हैं। इस तरह के एसआईपी करने से शेयर बाजार में होने वाले उतार-चढ़ाव का जोखिम कम हो जाता है।

सही फंड का चयन करें

म्यूचुअल फंड से बेहतर रिटर्न के लिए सही फंड चुनना काफी जरूरी है। वैसे म्यूचुअल फंड का चयन करें जो आपके फाइनेंशियल गोल के हिसाब से हों। इसके अलावा मार्केट के रिस्क और फंड की ग्रोथ के अनुमान को देख कर ही उसका चयन करें।

पोर्टफोलियो को डायवर्सिफाई करें

पोर्टफोलियो को डाइवर्स रखने से आप मार्केट के रिस्क से भी बच जाते हैं और रिटर्न भी बेहतर मिलने की संभावना बढ़ा जाती है। इसलिए इक्विटी, डेट, गोल्ड, रियल एस्टेट और दूसरे फंड में इन्वेस्ट करने की सोचें। इससे एक के प्रॉफिट से दूसरे के नुकसान की भरपाई हो जाती है।

समय के साथ अमाउंट बढ़ाएं

जैसे-जैसे आपकी इनकम बढ़ती जाती है, आप अपने इन्वेस्टमेंट के अमाउंट को भी बढ़ाएं। वेल्थ बढ़ाने का यह एक बेहतर तरीका है। इसलिए आप धीरे-धीरे एसआईपी के अमाउंट को बढ़ाकर बढ़ी हुई इनकम का लाभ ले सकते हैं।

सोना या शेयर 2024 में कौन चमकाएगा आपकी किस्मत

अक्सर देखने में आता है कि निवेशकों की निगाह हमेशा ऐसे विकल्पों को खोजती रहती है, जो उन्हें तगड़ा रिटर्न दिला सके। वर्ष 2023 को देखें तो सोना और सेंसेक्स दोनों ने ही जमकर रिटर्न दिया है। ऐसे में निवेशकों के लिए ये दोनो एसेट्स निवेश का बेहतर विकल्प बनकर उभरे हैं। वैसे भी कहा जाता है कि निवेशकों के लिए शेयर और सोना दोनों ही पोर्टफोलियो में रखना फायदेमंद होता है।

बिजनेस डेस्क

साल 2023 निवेशकों के लिए काफी गोल्डन रहा है। शेयर बाजार हो या सोना, दोनों ने ही जमकर रिटर्न दिया। इससे सैकड़ों निवेशक मालामाल हुए हैं। सेंसेक्स ने जहां ऐतिहासिक आंकड़ों को छू लिया तो सोना भी पहली बार 60 हजार के पार पहुंचा। अब बाजार के जानकारों के अनुमान है कि वर्ष 2024 भी निवेशकों को जमकर मुनाफा देकर जाएगर। ऐसे में सवाल उठता है कि इस साल निवेशकों को किस एसेट्स पर ज्यादा दांव लगाना चाहिए, सोने पर या शेयरों में। इस बारे में एक्सपर्ट ने निवेशकों के लिए कई काम की जानकारियां दी हैंए जिससे सारी कंफ्यूजन दूर हो गई। वर्ष 2023 को देखें तो सोना और सेंसेक्स दोनों ने ही जमकर रिटर्न दिया है। ऐसे में निवेशकों के लिए ये दोनो एसेट्स निवेश का बेहतर विकल्प बनकर उभरे हैं। वैसे भी कहा जाता है कि निवेशकों के लिए शेयर और सोना दोनों ही पोर्टफोलियो में रखना फायदेमंद होता है।

- दोनों ही दे रहे एफडी से दोगुना रिटर्न, फिर बेस्ट क्या
- शेयर और सोना दोनों पोर्टफोलियो में रखना फायदेमंद
- शेयर बाजार में करीब 10 हजार अंकों का उछाल दिखा
- बाजार ने अपने निवेशकों को 16 फीसदी का रिटर्न दिया
- गोल्ड में पैसे लगाने वाले को 15 फीसदी का रिटर्न मिला

बाजार ने पिछले साल 16 फीसदी रिटर्न दिया

अगर हम 2023 पर नजर डालें तो शेयर बाजार में करीब 10,000 अंकों का उछाल दिखा है। इसका मतलब है कि बाजार ने अपने निवेशकों को करीब 16 फीसदी का रिटर्न दिया है। इसी तरह, अगर गोल्ड पर नजर दौड़ाई जाए तो 2023 में इस विकल्प में पैसे लगाने वाले को करीब 15 फीसदी का जबरदस्त रिटर्न मिला है। ऐसे में हम 2024 को लेकर एक्सपर्ट से शेयर बाजार और सोना दोनों का ही ग्रोथ प्रोजेक्शन लेकर आए हैं, जिससे निवेशकों को यह जानने में आसानी होगी कि वे अपना पैस किस विकल्प में लगाएं।

शेयर बाजार फिर देगा तगड़ा रिटर्न

इक्विटी और शेयर बाजार के जानकारों का कहना है कि साल 2024 में भी सेंसेक्स का प्रदर्शन जबरदस्त रहेगा। उन्होंने बताया कि 2024 की समाप्ति तक सेंसेक्स 83,250 और निफ्टी 25,000 के आंकड़े को पार कर सकता है। बता दें कि हाल ही में सेंसेक्स 71,434 पर बंद हुआ है। इस हिसाब से देखा जाए तो 2024 में सेंसेक्स करीब 12 हजार अंकों का उछाल हासिल कर सकता है। यह करीब 14.41 फीसदी का रिटर्न हुआ। इससे पहले 2 जनवरी, 2023 को सेंसेक्स 61,168 के स्तर पर बंद हुआ था। यानी शेयर बाजार से निवेशकों को इस साल 14 फीसदी से ज्यादा रिटर्न मिलने का अनुमान है।

सोने पर क्यों लगाएं दांव

एक जानी मानी कमोडिटी फर्म का कहना है कि ग्लोबल मार्केट में जिस तरह के हालात चल रहे हैं और महंगाई ने पूरी दुनिया पर दबाव बना रखा है तो 2024 में भी गोल्ड की कीमतों में तेज उछाल का अनुमान है। उन्होंने कहा कि गोल्ड ने 2023 को 63,203 रुपये के स्तर पर क्लोज किया और अपने निवेशकों को 14.88 फीसदी का जबरदस्त रिटर्न दिया। 3 जनवरी, 2024 को 24 कैरेट शुद्धता वाले सोने का भाव 63,344 रुपये रहा, जो साल के आखिर तक 72 हजार रुपये तक जा सकता है। इस लिहाज से एक तोला सोना खरीदने वाले को प्रति 10 ग्राम करीब 9 हजार रुपये का फायदा होगा। इसका मतलब है कि गोल्ड पर इस साल 15.2 फीसदी का रिटर्न मिलने का अनुमान है। इसलिए निवेशक गोल्ड में भी पैसा लगाकर अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं। वैसे भी गोल्ड को निवेश का सबसे अच्छा विकल्प माना जाता रहा है। ऐसे में गोल्ड पर पैसा लगाना काफी लाभकारी साबित हो सकता है।

फिर दोनों में बेस्ट कौन

आंकड़ों से स्पष्ट है कि न शेयर बाजार और सोना दोनों ही दहाई अंकों में रिटर्न दे रहे हैं। दोनों का ही अनुमान लगभग एक जैसा है। ऐसे में निवेशकों को दोनों ही विकल्पों को अपने पोर्टफोलियो में रखना चाहिए। जो निवेशक ज्यादा जोखिम उठाने की क्षमता रखते हैं, उन्हें ज्यादातर पैसे शेयर बाजार में लगाने चाहिएं। वहीं, कम जोखिम की क्षमता रखने वालों को सोने पर दांव लगाना चाहिए। सोने पर इसलिए भी ज्यादा भरोसा है, क्योंकि ग्लोबल मार्केट में चल रही उथल-पुथल को देखें तो सोने की मांग आगे और बढ़ने का अनुमान है। इसके अलावा महंगाई व बढ़ती ब्याज दरों की वजह से भी सोना हॉट कमोडिटी बना रहेगा।

ये फंड दे जाते हैं कम रिस्क में स्टेबल रिटर्न, टैक्स के लिहाज से बेहतर हैं आर्बिट्राज फंड

किन लोगों को करना चाहिए इनमें इनवेस्ट, म्यूचुअल, आर्बिट्राज फंड, कम रिस्क में बेहतर रिटर्न की गारंटी

म्यूचुअल फंड्स से अलग हैं आर्बिट्राज फंड

बिजनेस डेस्क

इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश करने वालों को आमतौर पर यही सलाह दी जाती है कि किसी फंड में पैसे लगाने के बाद धैर्य के साथ सही समय का इंतजार करें और उसे बेचने का फैसला तभी करें, जब आपके निवेश की वैल्यू पर्याप्त रूप से बढ़ जाए। लेकिन इनवेस्टमेंट का एक तरीका ऐसा भी है, जिसमें फंड मैनेजर इक्विटी में निवेश तभी करता है, जब उसे मुनाफा सामने नजर आ रहा हो। सही मौका मिलते ही वह एक हाथ से निवेश करता है और दूसरे हाथ से बेचकर प्रॉफिट बुक कर लेता है। बाकी तमाम एसेट्स की तुलना में बिलकुल अलग ढंग से काम करने वाले इस फंड का नाम है आर्बिट्राज म्यूचुअल फंड। निवेश की बिलकुल अलग स्ट्रैटजी के कारण इसे इक्विटी में निवेश का सबसे कम जोखिम वाला तरीका भी कहा जा सकता है।

इक्विटी इनवेस्टमेंट के मामले में आर्बिट्राज का मतलब है, किसी एक शेयर की एक समय में दो अलग-अलग बाजारों या एक्सचेंज में दो अलग-अलग कीमतों के बीच मौजूद अंतर का फायदा उठाकर उसकी खरीद-बिक्री करना। मिसाल के तौर पर अगर एक शेयर का दाम एक स्टॉक एक्सचेंज में ज्यादा और दूसरे एक्सचेंज में कम हो, तो उसे एक ही साथ सस्ते बाजार से खरीदकर महंगे बाजार में बेचा जा सकता है और इस तरह फौरन मुनाफा कमाया जा सकता है। इसी तरह स्पॉट मार्केट और फ्यूचर्स मार्केट यानी वायदा बाजार में एक ही शेयर की अलग-अलग कीमत का लाभ भी उठाया जा सकता है।

आर्बिट्राज का फायदा

आर्बिट्राज के जरिए मुनाफा कमाने में दो दिक्कतें हैं- एक तो इसके लिए काफी हुनर और वक्त चाहिए, क्योंकि आपको एक साथ लगातार कई बाजारों और शेयरों पर नजर रखकर आर्बिट्राज के मौके तलाशने पड़ते हैं। दूसरी दिक्कत यह है कि दो बाजारों के बीच शेयरों की कीमतों में अंतर आम तौर पर काफी कम होता है। लिहाजा पर्याप्त मुनाफा कमाने के लिए बार-बार बड़े वॉल्यूम वाली डील करना जरूरी है। किसी आम निवेशक के लिए निजी तौर पर ऐसा करना मुश्किल है। लेकिन आर्बिट्राज फंड में निवेश करके इस स्ट्रैटजी का लाभ लिया जा सकता है।

मौके तलाशते हैं फंड मैनेजर

फंड मैनेजर और उनकी टीम लगातार आर्बिट्राज के मौके तलाशते रहते हैं और बार-बार खरीद-बिक्री करके मुनाफा कमाते हैं। सबसे खास बात यह है कि आर्बिट्राज फंड का मैनेजर किसी इक्विटी में निवेश तभी करता है, जब उसे किसी और मार्केट में मुनाफा दिख रहा हो। लिहाजा, इसमें नुकसान का रिस्क बेहद कम हो जाता है। फंड मैनेजर्स को जब इक्विटी में मुनाफा नहीं दिखता तो वो फंड को शॉर्ट टर्म मनी मार्केट या डेट इंस्ट्रूमेंट्स में पार्क करके रखते हैं, ताकि उस पर कुछ न कुछ रिटर्न मिलता रहे।

टैक्स बेनिफिट

आर्बिट्राज फंड दरअसल हाइब्रिड फंड हैं, जिन्हें टैक्सेशन के लिहाज से इक्विटी फंड की कैटेगरी में रखा जाता है। यानी अगर इसमें किए गए निवेश को 1 साल तक होल्ड करने के बाद निकाला जाए, तो उस पर 1 वित्त वर्ष के दौरान हुए 1 लाख रुपये तक के मुनाफे पर कोई टैक्स नहीं लगता। इससे ज्यादा मुनाफा होने पर 10 फीसदी की दर से लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स टैक्स लगता है। 1 साल से पहले निवेश निकालने पर होने वाले प्रॉफिट पर 15 फीसदी की दर से शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन्स टैक्स देना पड़ता है।

पिछले 1 साल में 8% तक रिटर्न

आर्बिट्राज फंड में निवेश पर जोखिम तो बहुत कम होता है, क्योंकि फंड मैनेजर प्रॉफिट दिखने पर एक बाजार से स्टॉक खरीदकर उसे दूसरे बाजार में बेच देता है, लेकिन ऐसे मौके ज्यादा नहीं मिलते और दो बाजारों में कीमतों का अंतर भी बहुत कम होता है। इसलिए इनमें मिलने वाला रिटर्न भी औसत ही रहता है। पिछले 1 साल में देश के कुछ टॉप आर्बिट्राज फंड ने लगभग 8 फीसदी तक सालाना रिटर्न दिया है। टैक्स बेनिफिट को जोड़ दें तो यह रिटर्न और भी बेहतर नजर आएगा। हालांकि इसे भविष्य के रिटर्न की गारंटी नहीं माना जा सकता।

किसे करना चाहिए निवेश

आर्बिट्राज फंड में निवेश का रिस्क प्रोफाइल डेट फंड की तरह होता है। यही वजह है कि कई आर्बिट्राज फंड बेंचमार्क के तौर पर लिक्विड फंड इंडेक्स का इस्तेमाल करते हैं। आर्बिट्राज फंड उन निवेशकों के लिए बेहतर विकल्प हैं जो इक्विटी में निवेश करना चाहते हैं, लेकिन जोखिम नहीं उठाना चाहते। उतार-चढ़ाव वाले बाजार में, जोखिम से परहेज करने वाले कई निवेशक अपना पैसा आर्बिट्राज फंड में रखकर औसत रिटर्न ले सकते हैं। अगर आप ऊंचे टैक्स ब्रैकेट में आते हैं, तो टैक्स बचत के लिहाज से आर्बिट्राज फंड में निवेश करना आपके लिए अच्छा विकल्प हो सकता है। पिछले बजट में डेट फंड पर टैक्स बेनिफिट खत्म किए जाने के बाद तो यह और भी आकर्षक ऑप्शन हो गया है। कुछ जानकार यह सलाह भी देते हैं अगर आप अपने सेविंग अकाउंट में ज्यादा पैसे रखते हैं, तो उसका कुछ हिस्सा आर्बिट्राज फंड में लगा सकते हैं।

खबर संक्षेप

फतेहपुरी गांव से बिजली का मीटर चोरी

बावल। फतेहपुरी गांव से चोर एक बिजली का मीटर चोरी कर ले गए। पुलिस को दर्ज शिकायत में राकेश ने बताया कि उसका बिजली का मीटर पोल पर लगा हुआ था। चोर उसका मीटर चोरी कर ले गए। इससे उसके घर की बिजली सप्लाई बंद हो गई है। काफी पूछताछ करने के बाद भी मीटर का कोई पता नहीं चल सका। पुलिस ने चोरी का केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी।

जेठ के खिलाफ मारपीट का केस दर्ज

बावल। सुठाना में एक महिला से मारपीट करने और धमकी देने के आरोप में पुलिस ने उसके जेठ पर केस दर्ज किया है। विधवा महिला वर्षा देवी ने पुलिस बयान में बताया कि उसके पति की मौत के बाद जमीन अधिग्रहण की मुआवजे की 2 करोड़ रुपये राशि उसके जेठ रमेश के पास है। जब वह अपना हिस्सा मांगने के लिए गई तो जेठ ने उसके साथ मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी।

अज्ञात वाहन की चपेट में आकर घायल

रेवाड़ी। गढ़ी बोलनी रोड पर अज्ञात वाहन की चपेट में आकर एक युवक घायल हो गया। पुलिस बयान में भक्तिनगर निवासी जितेंद्र ने बताया कि वह घर से बाहर आने के बाद मेन रोड की ओर चला था। इसी दौरान उसे किसी वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे वह घायल हो गया। आसपास के लोगों ने उसे अस्पताल में दाखिल कराया। पुलिस ने उसके बयान पर केस दर्ज करने के बाद वाहन चालक की तलाश शुरू कर दी।

जुआ खेलने के आरोप में तीन आरोपी काबू

रेवाड़ी। थाना रामपुरा पुलिस ने एक मकान में जुआ खेलने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार महीपाल के मकान में महीपाल, बालावास निवासी परमानंद व जसवंत निवासी संजय लुहार ताश के रूप में जुआ खेल रहे थे। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने तीनों को मौके पर ही काबू कर लिया। उनके कब्जे से ताश की पत्तियां व 15420 रुपये बरामद किए गए हैं।

साइबर ठगी का आरोपी प्रोडक्शन वारंट पर

रेवाड़ी। साइबर थाना पुलिस ने जेल बंद साइबर ठगी के एक आरोपी को कोर्ट से प्रोडक्शन वारंट पर लिया है। पुलिस ने गत वर्ष 7 जनवरी को धारूहेड़ा निवासी अर्जुन की शिकायत पर ब्लैकमेल करने और तीन लाख रुपये से अधिक राशि वसूलने के आरोप में केस दर्ज किया था। इस मामले में यूपी के दखोरा नानकार निवासी हरिओम शर्मा को प्रोडक्शन वारंट पर लिया गया है।

चोरी का आरोपी पूछताछ के बाद भेजा जेल

रेवाड़ी। धारूहेड़ा के सेक्टर-6 थाना पुलिस ने चोरी के एक आरोपी को पूछताछ के बाद कोर्ट में पेश करते हुए जेल भेज दिया। पुलिस ने 16 अप्रैल 2021 को को दर्ज किए गए चोरी के मामले में राजस्थान के घुमुंडकी निवासी सुखविंद्र को पूछताछ के लिए प्रोडक्शन वारंट पर लिया था। उसे राजस्थान की किशनगढ़ जेल भेज दिया गया।

मारपीट व धमकी देने का आरोपी गिरफ्तार

कोसली। पुलिस ने भूरथला में मारपीट करने व जान से मारने की धमकी देने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

राजकीय मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित स्पार्धाएं

स्वयंसेवकों ने ड्राइंग, रंगोली और खेलों में दिखाई प्रतिभा

बहादुरगढ़। कैंप में आयोजकों व अतिथियों के साथ स्वयंसेवक। फोटो :हरिभूमि

झज्जर। समापन समारोह में स्वयंसेवकों को पुरस्कृत करते हुए प्राचार्य डॉ. राजेंद्र व अन्य।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

रेलवे रोड स्थित राजकीय मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित सात दिवसीय राज्य स्तरीय एनएसएस शिविर के छठे दिन भी कई गतिविधियां हुई। ड्राइंग, रंगोली और खेल आदि स्पर्धाओं में विभिन्न जिलों के स्वयंसेवकों ने उत्साह से भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

शनिवार को हरियाणा राज्य राष्ट्रीय सेवा योजना के अधिकारी दिनेश शर्मा ने बतौर मुख्य अतिथि शिविर में शिरकत की। स्वयंसेवकों के मनोबल को बढ़ाते हुए उन्होंने राष्ट्रीय सेवा योजना का महत्व समझाते हुए राष्ट्रीय स्तर तक के कार्यों की रूपरेखा प्रस्तुत की। शिविर की व्यवस्था को देखते हुए सभी स्वयंसेवकों, कार्यक्रम अधिकारियों और जिला संयोजक की प्रशंसा की। चंद्रभान मेमोरियल ट्रस्ट के अध्यक्ष सत्यप्रकाश ने बतौर मुख्य वक्ता शिरकत की। उन्होंने बताया कि दिव्यांग व्यक्तियों को समाज की मुख्य धारा में लाने के लिए हम सब का कर्तव्य है कि उनकी पहचान करके उनकी आवश्यक सहायता की जाए। सेवानिवृत्त जिला शिक्षा अधिकारी मदन चोपड़ा ने भी स्वयंसेवकों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम अधिकारी एवं इतिहास प्रवक्ता राकेश वत्स ने रंगोली और स्लोगन लेखन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। गणित प्रवक्ता दिनेश भारद्वाज और पवन काजला ने खेल प्रतियोगिता कराई। लड़कों और लड़कियों की 100 तथा 400 मीटर दौड़ हुई। नशा मुक्ति रैली का भी आयोजन किया गया। शिविर का मुख्य आकर्षण बाल विवाह पर विनय मलिक द्वारा गाया गया गना रहा। सुरेश वर्मा ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए एनएसएस वालंटियर की तैयारी को देखते हुए उनकी प्रशंसा की। मुख्य अतिथियों को सम्मानित किया गया। महेंद्रगढ़ के जिला संयोजक चरण सिंह, कार्यक्रम अधिकारी सुषमा, रिंकी, अनु, बबीता, शालू, सुमनलता, भरतरी आदि उपस्थित रहे।

स्वयंसेवकों को पुरस्कार व मेडल देकर किया सम्मानित

झज्जर। पीएमश्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय दादरी तोए में चल रहा सात दिवसीय एनएसएस शिविर शनिवार को संपन्न हो गया। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी आशीष कादियान ने बताया कि समापन समारोह के दौरान विभिन्न खेलकूद व सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। समारोह में प्रवक्ता परविंद्र, खेल शिक्षक विनोद, डीपीई कप्तान ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत करते हुए स्वयंसेवकों के कबड्डी, खो-खो, बैडमिंटन, शॉट पुट आदि खेल कराए। इस दौरान घोषित परिणामों में लड़कों में प्रियांशु, आशीष व लक्ष्य तथा लड़कियों में नेहा, पायल व पूजा को बेस्ट एनएसएस स्वयंसेवक का खिताब दिया गया। स्कूल प्राचार्य डॉक्टर राजेंद्र ने शिविर के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिता के विजेता स्वयंसेवकों के साथ-साथ बेस्ट स्वयंसेवक का खिताब जीतने वाले स्वयंसेवकों को पुरस्कार व मेडल देकर सम्मानित किया। इस मौके पर सरपंच सुनील कुमार, एसएमसी प्रधान अशोक कुमार, एसएमसी उप प्रधान चंद्रभान, एसएमसी सदस्य सन्नी, स्कूल शिक्षक सुनील कुमार, सुरेश बाला, रविंद्र व नरेश सहित अन्य भी मौजूद रहे।

भारत संकल्प यात्रा को लेकर अधिकारियों को दिए निर्देश

झज्जर। विकसित भारत संकल्प यात्रा जनसंवाद कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए डीसी कैप्टन शक्ति सिंह। फोटो :हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

■ पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का तत्परता से लाभ प्रदान करना सुनिश्चित करें

विकसित भारत संकल्प यात्रा जनसंवाद कार्यक्रम केंद्र और प्रदेश सरकार का फ्लैगशिप कार्यक्रम है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत अधिकांश ग्राम पंचायतें कवर हो चुकी हैं। कार्यक्रम के सुचारू रूप से संचालन में अधिकारी आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का तत्परता से लाभ प्रदान करना सुनिश्चित करें। यह बात डीसी कैप्टन शक्ति सिंह ने कैंप कार्यालय में मुख्यमंत्री मनोहर लाल की वीसी उपरांत जिला में चल रही विकसित भारत संकल्प यात्रा -जनसंवाद कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए कही। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल और केंद्र सरकार के वरिष्ठ अधिकारी नियमित रूप से इस महत्वाकांक्षी कार्यक्रम की मॉनिटरिंग कर रहे हैं,कार्यक्रम के प्रभावी क्रियांवयन के लिए सभी विभाग पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ सुगमता के साथ प्रदान करें। उन्होंने कहा कि रविवार को दोपहर 12 बजे मुख्यमंत्री मनोहर लाल विकसित भारत संकल्प यात्रा जनसंवाद कार्यक्रम से वर्चुअल माध्यम से जुड़ेंगे और नागरिकों को अपना संदेश देंगे।

कैमलगढ़, देवरखाना सहित चार गांवों में आज पहुंचेगी विकसित भारत संकल्प यात्रा

झज्जर। डीसी कैप्टन शक्ति सिंह ने बताया कि विकसित भारत संकल्प यात्रा रविवार को जिला के तीन खंडों बादली, झज्जर और बेरी के चार गांवों में पहुंचेगी। यह संकल्प यात्रा बेरी खंड के गांव माजरा (बिम्यान) स्थित बाबा श्याम मंदिर धर्मशाला में सुबह दस बजे और झज्जर खंड के गांव कैमलगढ़ स्थित सामुदायिक केंद्र में दोपहर दो बजे, खंड बादली के गांव लोहट स्थित राजकीय विद्यालय में सुबह दस बजे और गांव देवरखाना स्थित राजकीय विद्यालय मैदान में दोपहर दो बजे पहुंचेगी और आमजन को केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं बारे जागरूक करेगी।

इनेलो में शामिल होने वालों का किया स्वागत

बहादुरगढ़। इनेलो में शामिल हुए युवाओं के साथ नफे सिंह राठी। फोटो :हरिभूमि

बहादुरगढ़। शहर के छोटूराम नगर के युवा इनेलो की जनहितैषी नीतियों से प्रभावित होकर पार्टी में शामिल हुए। इनेलो के कार्यकारी जिलाध्यक्ष रामनिवास सैनी व एससी सैल के जिलाध्यक्ष मास्टर सुखबीर सरोहा के प्रयास से इनेलो में शामिल हुए लोगों का प्रदेशाध्यक्ष नफे सिंह राठी ने स्वागत करते हुए पार्टी में पूरा मान-सम्मान दिलाए जाने का भरोसा दिया। महेश, अर्जुन, कृष्णा, धर्मेंद्र, सुनील, राहुल, मोनू, दीपक, भूपेंद्र, अमित, संदीप, अरविंद सहित अनेक लोग इनेलो में शामिल हुए। इनेलो प्रदेशाध्यक्ष नफे सिंह राठी ने कहा कि भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों के चलते युवा परेशान हैं। बेरोजगारी के कारण युवाओं का भविष्य बर्बाद होता जा रहा है। इनेलो की जनहितैषी नीतियों के कारण युवा इनेलो से जुड़ रहा है। इनेलो की सरकार बनने के बाद सभी वर्गों के हितों में कल्याणकारी नीतियां बनाई जाएंगी। युवाओं को रोजगार दिलाए जाएंगे। कार्यकर्ता जन-जन तक पार्टी की नीतियों को पहुंचाने के लिए पूरी मेहनत व लगन से जुट जाए।

नियमों की अवेहलना करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ होगी सख्त कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

■ यातायात थाना प्रबंधक बहादुरगढ़ व यातायात प्रभारी झज्जर को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए

यातायात नियमों की पालना को लेकर जिला पुलिस द्वारा जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत जहां वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति अवगत करवाया जा रहा है, वहीं नियमों की अवेहलना करने पर चालान भी किए जा रहे है। एसपी डॉक्टर अर्पित जैन ने बताया कि दुपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का प्रयोग नहीं करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ पुलिस सख्ती से निपटेगी। इस संबंध में यातायात थाना प्रबंधक बहादुरगढ़ व यातायात प्रभारी झज्जर को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए हैं। अगर कोई व्यक्ति दुपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट बिना पाया जाता है तो उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। उन्होंने कहा कि हेलमेट का प्रयोग करने से दुर्घटना होने पर सिर की सुरक्षा होती है। उन्होंने कहा कि सर्दी के मौसम में धुंध भी काफी बढ़ गई है इसलिए जब तक ज्यादा जरूरी ना हो घर से बाहर नहीं निकलना चाहिए। बाहर जाते समय गाड़ी की चारों लाइटों जलाकर रखनी चाहिए। ओवरटेक करने की गलती नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि निर्धारित गति सीमा से अधिक तेज वाहन चलाने वाले वाहन चालकों पर लगाम लगाने के लिए यातायात पुलिस द्वारा कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस का उद्देश्य आमजन के लिए सुरक्षित सफर व सड़क दुर्घटनाओं को रोकना है।

डॉक्टर अर्पित जैन, एसपी झज्जर।

एचटीएसई परीक्षा में बारह विद्यार्थियों की मेरिट

झज्जर। होनहार विद्यार्थियों को पुरस्कृत करते हुए शिक्षक। फोटो :हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

■ अभिभावकों व शिक्षकों को बधाई देते हुए उत्तीर्ण विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की

मदर इंडिया वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मारौत के बारह विद्यार्थियों ने एचटीएसई की परीक्षा उत्तीर्ण करते हुए स्टेट लेवल मेरिट सूची में जगह बनाई है। प्राचार्या संतोष कुमारी ने बताया कि ग्यारहवीं व बारहवीं कक्षा के ग्रुप में जहां आदि अहलावत ने द्वितीय व अंजलि ने तृतीय स्थान प्राप्त किया वहीं जिला स्तर पर नौंवी व दसवीं कक्षा के ग्रुप में तरुण, कपिल व संजना ने क्रमशः पहला, दूसरा व तीसरा स्थान प्राप्त किया। सातवी व आठवीं कक्षा के ग्रुप में शुभम कुमारी, उज्ज्वल और कार्तिक क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय तथा पांचवीं व छठी कक्षा के ग्रुप में हर्षित ने दूसरा और वंशिका ने तीसरा स्थान प्राप्त किया

इस उपलब्धि पर उन्होंने अभिभावकों व शिक्षकों को बधाई देते हुए उत्तीर्ण विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

यौन उत्पीड़न का मामला : पूर्व डब्ल्यूएफआई प्रमुख के खिलाफ आरोप तय करने का आग्रह

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

■ पुलिस ने आरोपी की इस दलील का विरोध किया कि चूंकि कुछ कथित घटनाएं विदेशों में हुईं, इसलिए वे दिल्ली की अदालतों के अधिकार क्षेत्र में नहीं आतीं

दिल्ली पुलिस ने शनिवार को यहां की एक अदालत से महिला पहलवानों के कथित यौन उत्पीड़न के मामले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद और भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ आरोप तय करने का आग्रह किया। पुलिस ने आरोपी की इस दलील का विरोध किया कि चूंकि कुछ कथित घटनाएं विदेशों में हुईं, इसलिए वे दिल्ली की अदालतों के अधिकार क्षेत्र में नहीं आतीं।

पुलिस ने इसी के साथ सिंह के खिलाफ आरोप तय करने पर बहस पूरी कर ली। पुलिस ने अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट प्रियंका राजपूत के समक्ष तर्क दिया कि सिंह द्वारा कथित तौर पर विदेशों और दिल्ली सहित भारत के अंदर की गई यौन उत्पीड़न की घटनाएं उसी अपराध का हिस्सा हैं। पुलिस ने न्यायाधीश से कहा कि इस मामले की सुनवाई का क्षेत्राधिकार दिल्ली की अदालत को है। अदालत अब इस मामले की अगली सुनवाई 20 जनवरी को करेगी।

आबकारी नीति : अदालत दी ने शराब कारोबारी समीर को अंतरिम जमानत

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने आबकारी नीति में कथित अनियमितताओं से संबंधित धनशोधन मामले में शराब कारोबारी समीर महेंद्रू को दो सप्ताह की अंतरिम जमानत दे दी है। विशेष न्यायाधीश एम. के. नागपाल ने शराब वितरक 'इंडोस्पिरिट' के प्रबंध निदेशक महेंद्रू को उस अर्जी पर राहत दी, जिसमें उन्होंने अपनी पत्नी के स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों के कारण जमानत दिये जाने का अनुरोध किया था। न्यायाधीश ने कहा कि मामले में पहले दी गई अंतरिम जमानत के दौरान, आरोपी ने मामले में किसी भी गवाह को प्रभावित करने या सबूतों के साथ छेड़छाड़ करने की कोशिश नहीं की। न्यायाधीश ने पांच जनवरी को पारित एक आदेश में कहा कि उनके देश से बाहर जाने का कोई खतरा नहीं है और रिकॉर्ड पर ऐसा कुछ भी नहीं है जिससे यह पता चले कि उन्होंने कभी किसी गवाह को प्रभावित करने या इस मामले के किसी भी सबूत के साथ छेड़छाड़ करने या उसे नष्ट करने की कोशिश की थी।

पूर्व विधायक ने दी राजपाल को बधाई

बहादुरगढ़। राजपाल शर्मा को बधाई देते पूर्व विधायक नरेश कौशिक व अन्य।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

पूर्व विधायक नरेश कौशिक ने वरिष्ठ भाजपा नेता राजपाल शर्मा को झज्जर जिलाध्यक्ष बनाए जाने पर बधाई देते हुए खुशी जताई। कौशिक ने उनकी नियुक्ति के लिए मुख्यमंत्री मनोहर लाल व प्रदेशाध्यक्ष नायब सैनी का आभार जताते हुए कहा कि भाजपा में नए-पुराने कार्यकर्ताओं को पूरा मान-सम्मान दिया जाता है। उनके अनुसार राजपाल शर्मा को जिलाध्यक्ष बनाए जाने से संगठन अधिक मजबूत होगा। प्रदेशाध्यक्ष नायब सैनी ने अपनी नई टीम का गठन किया है। इसमें हर जाति और वर्ग को प्रतिनिधित्व देते हुए महिलाओं का भी विशेष ध्यान रखा है। राजपाल शर्मा ने कहा कि वे संगठन व सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों को जन-जन तक पहुंचाएंगे। भाजपा ओबीसी मोर्चा जिलाध्यक्ष धर्मवीर वर्मा, शहरी मंडल अध्यक्ष कृष्ण चंद्र, उपाध्यक्ष उमेश सहगल, विधानसभा विस्तारक जितेंद्र नरवाल, सरपंच जयभगवान व परमिंदर जांगड़ा आदि ने भी राजपाल शर्मा को बधाई दी।

पौष महीने में पड़ने वाली एकादशी को सफला एकादशी कहा जाता है

सफला एकादशी उपवास से मिलती है सफलता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

■ सफला एकादशी का व्रत करने वाले लोगों पर भगवान प्रसन्न होते है

सफला एकादशी पर उपवास करने से व्यक्ति को जीवन में सफलता मिलती है। पौष महीने में पड़ने वाली एकादशी को सफला एकादशी कहा जाता है। पंडित गुलशन शर्मा ने बताया कि इस एकादशी का व्रत करने वाले व्यक्ति के सभी कार्य सफल हो जाते हैं। इसलिए सफलता एकादशी का व्रत करना सभी के लिए शुभ माना जाता है। सफला एकादशी का व्रत करने वाले लोगों पर भगवान प्रसन्न होते हैं। यह व्रत रखने से व्यक्ति के दुखों का अंत होता है। इस दिन रात्रि में जागरण कर श्रीहरि के नाम के भजन का भी बड़ा महत्व है। इस व्रत को करने से

पं. गुलशन शर्मा।

■ सफलता एकादशी का व्रत करना सभी के लिए शुभ माना जाता है

स्वास्थ्य और लंबी आयु का वरदान मिलता है। उन्होंने बताया कि जो व्यक्ति सफला एकादशी के दिन व्रत रखकर भगवान विष्णु की पूजा-अर्चना करता है और रात्रि में जागरण करते हुए श्रीहरि के अवतार एवं उनकी कथाओं का पाठ करता है उनका व्रत सफल होता है। यह एकादशी कल्याण करने वाली है। सभी एकादशियों में नारायण के समान ही फल देने का सामर्थ्य है। इनकी पूजा-आराधना करने वाले को किसी और पूजा की आवश्यकता नहीं पड़ती। क्योंकि यह अपने भक्तों के सभी मनोरथों की पूर्ति कर उन्हें विष्णुलोक पहुंचाती हैं। जीवन का सुख प्राप्त कर व्यक्ति मृत्यु के पश्चात सद्गति को प्राप्त होता है। जो लोग यह व्रत नहीं कर पाते हैं उनके लिए शास्त्रों में विधान है कि इस दिन भगवान विष्णु की पूजा करें।

ब्रेकथ्रू संस्था ने किया बड़ी सी आशा अभियान का समापन

झज्जर। जागरुकता कार्यक्रम के दौरान नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति देते हुए ब्रेकथ्रू संस्था सदस्य।

झज्जर। ब्रेकथ्रू संस्था द्वारा जिले में चलाए जा रहे बड़ी सी आशा अभियान का शनिवार को समापन किया गया। ब्रेकथ्रू से सीनियर मैनेजर मीना रानी ने बताया कि उनकी संस्था द्वारा प्रदेश के जिलों में कम्युनिटी मोबिलाईजेशन प्रोग्राम चलाया हुआ था। किशोरियों के सपनों व आकांक्षाओं पर आधारित इस कार्यक्रम के अंतर्गत संस्था सदस्यों द्वारा नुक्कड़ नाटक व जागरुकता कार्यक्रमों के माध्यम से अभिभावकों को जागरुक करते हुए उनसे अपनी पुत्रियों के सपनों को पूरा कराने में सहयोग का आह्वान किया। सुपरवाइजर गीतांजलि ने कहा कि बड़ी सी आशा नाटक बहुत ही मोटिवेशनल है। इसमें युवा व युवतियों पर आधारित सच्ची कहानियों को शामिल किया गया है जो सभी को सोचने पर विवश कर देती है। इस दौरान क्षेत्र के गांव बिसाहन व जहाजगढ़ में भी कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान संस्था सदस्य नरेंद्र, ममता मीणा सहित अन्य भी मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

डाबोदा में महिलाओं को किया सम्मानित

बहादुरगढ़। जिला पार्षद रविंद्र छिल्लर बराही ने गांव डाबोदा कलां में मातृशक्ति सम्मान समारोह आयोजित कर महिलाओं को सम्मानित किया। शुक्रवार को आयोजित मातृशक्ति सम्मान समारोह में बुजुर्ग महिलाओं का आशीर्वाद लेते हुए कहा कि सीएम मनोहर लाल के नेतृत्व में भाजपा सरकार महिलाओं को पूरा मान सम्मान दे रही है। मनोहर सरकार ने पंचायत में मातृशक्ति को 50 प्रतिशत का आरक्षण देकर सम्मान किया है। मोदी सरकार ने भी नारी शक्ति वंदन बिल पास कर मातृशक्ति का सम्मान बढ़ाया है।

ड्रम में रखे नकदी व आभूषण चोरी

झज्जर। क्षेत्र के गांव दुजाना में घर के अंदर लोहे के ड्रम में रखी हजारों रुपये की नकदी व आभूषण चोरी होने का मामला सामने आया है। पुलिस को दी शिकायत में दुजाना गांव निवासी धनपत सिंह पुत्र गोरधन ने बताया कि बीती 2 जनवरी की रात उसके घर के अंदर लोहे के ड्रम में रखे करीब 65 हजार रुपये सहित सोने व चांदी के आभूषण चोरी हो गए। उसने अपने गायब हुए सामान के मामले में आस-पड़ोस से भी पता किया लेकिन चोरी करने वाले व्यक्ति का कोई सुराग नहीं लगा। पुलिस ने धनपत की शिकायत पर मामला दर्ज करते हुए नियमानुसार कार्यवाही शुरू कर दी है।

शराब तस्करी के 394 आरोपी गिरफ्तार

झज्जर। जिला पुलिस द्वारा बीते वर्ष में शराब तस्करी के अवैध धंधे की रोकथाम तथा आरोपियों को पकड़ने के लिए चलाए गए अभियान के तहत भारी मात्रा में अवैध शराब के साथ कई आरोपियों को पकड़ा गया है। एसपी डॉक्टर अर्पित जैन ने बताया कि बीते एक वर्ष में आबकारी अधिनियम के तहत 323 मामले दर्ज किए गए जबकि 394 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि आरोपियों के कब्जे से 28923 बोतल देशी, 25728 बोतल अंग्रेजी शराब तथा 4494 बोतल बीयर बरामद की गई।

कांग्रेस पर भारी पड़ सकती है नेताओं की खींचतान और संगठन का अभाव

■ अब तक 9 बार बहादुरगढ़ विधानसभा सीट पर जीतने वाली कांग्रेस के लिए 2024 के चुनावों में आसान नहीं है जीत की राह

रवींद्र राठी ⏭ बहादुरगढ़

दिल्ली-हरियाणा सीमा पर स्थित बहादुरगढ़ राजनीति के लिहाज से भी जागरुक रहा है। विधानसभा चुनाव में अब तक 9 बार जीत हासिल कर कांग्रेस सबसे आगे है। जबकि लोकदल पांच बार और भाजपा एक बार जीती है। लेकिन कांग्रेस के लिए अपनी जीत का सिलसिला बरकरार रखना बड़ी चुनौती बन सकता है। एक तरफ जहां कांग्रेस बीते 9 साल में संगठन का गठन करने में विफल सिद्ध हुई है। वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस के दो बड़े नेताओं में टिकट को लेकर उभरी खींचतान भी कांग्रेस का गणित बिगाड़ सकती है।

जी हां, बहादुरगढ़ में सबसे पहले चौधरी छोटूराम की पार्टी जमींदारा लीग से उनके भतीजे चौधरी श्रीचंद जीते थे। वर्ष 1987 में पूर्व मंत्री मांगेराम नंबरदार ने 25 हजार 320 वोटों से अब तक की सबसे बड़ी जीत हासिल की थी। जबकि वर्ष 1972 में एनसीओ के हरद्वारी लाल ने महज 395 वोटों से सबसे छोटी जीत हासिल की थी। चूंकि प्रदेश में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी दलों में हलचल तेज हो गई है। ऐसे में बहादुरगढ़ की राजनीति भी ठंड के मौसम में गर्म होती जा रही है। वर्तमान में बहादुरगढ़ विधानसभा सीट पर कांग्रेस का कब्जा है। जीत के क्रम को दोहराने में कांग्रेस को इस बार काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है।

10 साल से बगैर संगठन

एक तरफ तो कांग्रेस अभी तक चुनावी साल में भी संगठन नहीं बना सकी है। करीब 10 साल से अधिक का समय गुजरने के बाद भी कांग्रेस की जिला या ब्लॉक कार्यकारिणी तक नहीं बन सकी है। बिना संगठन के ही कांग्रेस ने 2019 के लोकसभा व विधानसभा चुनाव लड़े हैं। जिसका खामियाजा सभी 10 लोकसभा सीटों पर हारने और विधानसभा में विपक्ष में बैठकर चुकाना पड़ा। अतीत में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष रहे डॉ. अशोक तंवर और कुमारी सैलजा संगठन खड़ा करने में नाकाम रहे। वर्तमान प्रदेशाध्यक्ष उदयभान के कार्यकाल में भी सूची तैयार होती हैं, लेकिन नेताओं की सियासी खींचतान में कार्यकारिणी उलझ गई है।

बहादुरगढ़। कांग्रेस नेता राजेंद्र जून और राजेश जून।

वर्कर और वोटर निराश

पिछले विधानसभा चुनाव में झज्जर जिले ने कांग्रेस को सभी चारों सीटें दी थी। इस दौरान कार्यकर्ताओं के साथ मतदाताओं को सत्ता में भागीदारी मिलने की उम्मीद जगी थी। लेकिन अन्य जिलों में कांग्रेस को करारी हार का मुंह देखना पड़ा। ऐसे में वर्करों के साथ ही मतदाता भी निराश हुए। इसीलिए इस बार कांग्रेस की राह इतनी आसान नहीं है। कांग्रेस नेता भी इन मुश्किलों को बढ़ाने में पीछे नहीं हैं। विधायक राजेंद्र जून और वरिष्ठ नेता राजेश जून की खींचतान आगामी विधानसभा चुनावों से पहले ही कांग्रेस की स्थिति जटिल बना रही है।

जून के कारण हारे जून

वर्ष-2005 में 5096 वोटों और 2009 में 19352 वोटों विधानसभा चुनाव जीतने के बाद राजेंद्र जून 2014 में तीसरी बार मैदान में उतरे। लेकिन इस बार कांग्रेस नेता राजेश जून भी बतौर निर्दलीय प्रत्याशी मैदान में उतरे और उन्हें 28 हजार 242 वोट प्राप्त हुई। जिस कारण कांग्रेस के राजेंद्र जून को भाजपा के नरेश कौशिक के हाथों 4882 वोटों से शिकस्त मिली। बीते 2019 के चुनाव में इस समीकरण को जेहन में रखते हुए भूपेंद्र हुड्डा नामांकन फार्म भरने से पहले ही राजेश जून के पास पहुंच गए और उन्हें चुनाव नहीं लड़ने के लिए रजामंद कर लिया। इसके बाद राजेश जून ने राजेंद्र जून के पक्ष में चुनाव प्रचार किया। परिणामस्वरूप राजेंद्र जून 15 हजार 491 वोटों से जीतकर तीसरी बार विधायक बने।

राजेश जून का पक्ष

कांग्रेस नेता राजेश जून के अनुसार 2019 में उन्हें इस शर्त पर नामांकन नहीं करने के लिए मनाया गया था कि वर्ष 2024 में उन्हें ही कांग्रेस की टिकट दी जाएगी। उनका मानना है कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा अपना वायदा जरूर निभाएंगे। उन्होंने विधायक राजेंद्र जून को भी अपना वचन याद दिलाया है। साथ ही टिकट नहीं मिलने की सूरत में भी हर हाल में चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी है।

राजेंद्र जून का पक्ष

विधायक राजेंद्र जून के अनुसार टिकट देना कांग्रेस नेतृत्व का काम है। उन्हें या जिस भी नेता को कांग्रेस की टिकट मिलेगी, उसे जिताने के लिए वे पूरी जी-जान लगा देंगे। उन्होंने भी दो टूक शब्दों में कहा कि वर्ष-2019 में उन्होंने ऐसा कोई भी वायदा राजेश जून से नहीं किया। उनके दावे झूठे और आधारहीन हैं, जिनसे कांग्रेस की छवि प्रभावित हो रही है।

पेट्रोल पंप के सेल्समैन से पिस्तौल के बल पर लूट

■ मोटरसाइकिल पर सवार होकर तेल डलवाने के लिए आए थे दो युवक

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

छुछकवास-मातनहेल मार्ग स्थित एक पेट्रोल पंप के सेल्समैन से मोटरसाइकिल में तेल डलवाने आए युवकों ने पिस्तौल के बल पर करीब छह हजार सात सौ रुपये छीनने की वारदात को अंजाम दिया गया। पुलिस को दी शिकायत में जिले के गांव बराणी निवासी अमन पुत्र मेनपाल ने बताया कि छुछकवास-मातनहेल रोड पर वह एक पेट्रोल पंप पर पिछले एक वर्ष से सेल्समैन के पद पर कार्यरत है।

अमन ने बताया कि वीरवार की रात्रि जब वह पेट्रोल पर कार्य कर रहा था तो रात करीब साढे.नौ बजे एक मोटरसाइकिल पर दो युवक तेल डलवाने के लिए पहुंचे। युवकों ने उससे डेढ़ सौ रुपये का तेल डालने के लिए कहा। जब वह तेल डाल रहा था तो उन युवकों में से एक ने उसे दो सौ रुपये दिए। अमन के अनुसार बकाया रुपये वापिस देने के लिए जब वह अपनी जेब से रुपये निकालने लगा मोटरसाइकिल पर पीछे बैठे युवक ने उसे देशी पिस्तौल दिखाते हुए उसके हाथ के सभी रुपये छीन लिए।

रुपये छीनने के बाद दोनों युवक छुछकवास की ओर मोटरसाइकिल लेकर फरार हो गए। बाद उसने जब रुपयों का हिसाब लगाया तो पता चला दोनों युवक उससे छह हजार सात सौ रुपये छीन ले गए। अमन ने बताया कि मोटरसाइकिल चालक हेलमेट लगाए हुए था तथा पीछे बैठे युवक ने अपना मुंह शॉल से ढका हुआ था ऐसे में वह उन युवकों को पहचानने में भी असमर्थ है। पुलिस ने अमन की शिकायत पर अज्ञात युवकों के खिलाफ मामला दर्ज करते हुए नियमानुसार आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

एक आरोपी पकड़ा, दो चाइनीज मांझे बरामद

प्रतिबंधित प्लास्टिक डोर बेचने वाले दुकानदारों पर पुलिस ने की छापेमारी

■ तीन दिन पूर्व भी नप टीम ने नियमों की अवेहलना करने वाले छह दुकानदारों को दिए थे नोटिस

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

प्रतिबंधित प्लास्टिक डोर बेचने वाले दुकानदारों पर पुलिस टीम द्वारा छापेमार कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को पकड़ा गया। पकड़े गए आरोपी की पहचान श्याम सुंदर निवासी कानूगो मौहल्ला के तौर पर की गई है। आरोपी के कब्जे से दो चाइनीज मांझे बरामद किए गए है। आरोपी के खिलाफ नियमानुसार कार्यवाई अमल में लाई गई है। एसपी डॉक्टर अर्पित जैन ने बताया कि जिले में चाइनीज डोर के भंडारण बिक्री व इस्तेमाल पर पूर्णतया प्रतिबंध है। प्रतिबंधित प्लास्टिक चाइना डोर की बिक्री को रोकने के लिए जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों तथा मुख्य बाजारों में छापेमारी की जा रही है। उन्होंने बताया कि जिले के सभी थाना प्रबंधकों व चौकी प्रभारियों को अपने अपने क्षेत्र के बाजारों में प्रतिबंधित चाइना डोर की बिक्री को रोकने तथा अवैध रूप से चाइना डोर की बिक्री करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के दिशा निर्देश किए गए है। उन्होंने बताया कि स्थानीय पुलिस द्वारा आम जान व पशु पक्षियों के हित को मद्देनजर रखते हुए प्रतिबंधित चाइना डोर के खिलाफ सर्च अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने आमजन से आहवान किया कि चाइनीज डोर की बिक्री करने वाले दुकानदारों के संबंध में पुलिस को सूचित करें।

बता दें कि बीती तीन जनवरी को शहर की मस्जिद वाली गली सहित अन्य बाजारों में की जा रही बिक्री की सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए नप टीम ने छापेमारी की थी। नप सचिव राजेश मेहता के नेतृत्व में टीम द्वारा शहर के विभिन्न बाजारों में छापेमार कार्रवाई करते हुए चाइनीज डोर को जब्त किया था। वहीं नियमों की अवेहलना करने पर छह दुकानदारों को नोटिस भी जारी किए थे। लेकिन नप टीम द्वारा नोटिस देने के बावजूद भी कई दुकानदारों ने प्रतिबंधित प्लास्टिक डोर की बिक्री जारी रखी। जिसके कारण पुलिस टीम द्वारा की गई छापेमार कार्रवाई के दौरान एक दुकानदार को प्रतिबंधित चाइनीज डोर के साथ पकड़ा गया है।

झज्जर। दुकान पर चेकिंग करते हुए नप सचिव राजेश मेहता व उनकी टीम सदस्य। (फाईल फोटो)

डीसी ने लगाया चाइना डोरी की खरीद, स्टोरेज तथा बिक्री पर प्रतिबंध

जिलाधीश कैप्टन शक्ति सिंह ने अपराध प्रक्रिया नियमावली 1973 की धारा-144 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए चाइना डोरी की खरीद, स्टोरेज तथा बिक्री पर तुरंत प्रभाव से प्रतिबंध लगाने के आदेश जारी किए हैं। जिलाधीश द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि चाइना डोरी से पतंग उड़ाना बहुत खतरनाक है, ऐसा करने से कई बार दुर्घटना घटने से मृत्यु भी हो जाती है। चाइना डोरी को सिंथेटिक प्लास्टिक सामग्री से बनाया जाता है, जिसमें खतरनाक तत्व होते हैं। चाइना डोरी से होने वाली हानि को मद्देनजर रखते हुए जनहित में ये आदेश जारी किए गए हैं। चाइना डोरी की खरीद, स्टोरेज व बिक्री पर प्रतिबंध से पशु-पक्षियों व मानव जीवन को संभावित खतरे से बचाया जा सकता है।

अवैध पिस्तौल कट्टे के साथ पुलिस ने युवक को दबोचा

हरिभूमि न्यूज ⏭ यमुनानगर

सीआईए वन पुलिस टीम ने पेपर मिल कॉलोनी के पास से एक युवक को अवैध देसी कट्टे के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर उसे अदालत में पेश किया। जहां से उसे न्याय हिरासत में भेज दिया गया।

■ पुलिस ने आरोपी को अदालत में किया पेश

जानकारी के अनुसार सीआईए वन में तैनात ईएचसी मुकेश कुमार ने बताया कि वह शाम को टीम के साथ गश्त कर रहा था। इस दौरान उसे सूचना मिली थी कि पेपर मिल कॉलोनी के पास एक युवक संदिग्ध परिस्थितियों में घूम रहा है। युवक किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में है।

सूचना मिलते ही वह टीम के साथ मौके पर पहुंचा। टीम ने वहां पर संदिग्ध परिस्थितियों में घूम रही युवक को हिरासत में लेकर उसकी तलाशी ली तो उसके पास से अवैध देसी कट्टा बरामद हुआ।

पूछताछ के दौरान आरोपी की पहचान गुलाब नगर निवासी कुणाल उर्फ शिकारी के रूप में हुई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत के केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

गोली मारने के आरोपी को जेल भेजा, गाड़ी भी बरामद की

बहादुरगढ़। जान से मारने की नीयत से गोली चलाने के एक आरोपी को मांडोठी चौकी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की निशानदेही पर वारदात में इस्तेमाल की गई गाड़ी भी बरामद कर ली गई है। पूछताछ पूर्ण होने के बाद आरोपी शनिवार को अदालत में पेश किया गया। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस को दी शिकायत में भापड़ोदा के निवासी राहुल ने कहा था कि 31 दिसंबर की रात को वह अपने दोस्तों के साथ कार में बैठकर घर लौट रहा था। जब भापड़ोदा में फ्लाईओवर के निकट पहुंचे तो ब्रेकर के कारण हमारी गाड़ी बंद हो गई। इस दौरान सामने से आई गाड़ी के चालक ने हमारे साथ झगड़ा किया। जान से मारने की नीयत से गोली चला दी। गोली मेरे पांव के पिछले हिस्से में लगी। इस शिकायत पर केस दर्ज करते हुए पुलिस ने जांच शुरू की। अब एक आरोपी को काबू किया गया है। आरोपी की पहचान उधम सिंह के रूप में हुई है। सोनीपत का रहने वाला है। चौकी प्रभारी रणदीप सिंह का कहना है कि आरोपी ने वारदात का खुलासा कर दिया है। आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

धर्मशालाओं में आगंतुकों का रिकॉर्ड रखें प्रबंधक

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

जिलाधीश कैप्टन शक्ति सिंह ने जिला की सीमा में सुरक्षा के मद्देनजर आपराधिक प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 के तहत शक्तियों का प्रयोग करते हुए हर सुरक्षा पहलुओं को ध्यान में रखते हुए शांति व कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी पीजी, गेस्ट हाउस, होटलों, मकान मालिकों को अपने किरायेदारों, नौकरों, विजिटर्स व आने वाले मेहमानों का रिकॉर्ड उनके आईडी प्रूफ के साथ रखने के आदेश दिए हैं। साथ ही बिना आईडी प्रूफ के किसी भी अंजान व्यक्ति को उपयोग के लिए इन प्रतिष्ठनो में कमरे के उपयोग पर प्रतिबंध रहेगा। जारी आदेश अनुसार सभी होटल, धर्मशालाओं के रिसेप्शन पर सीसीटीवी निगरानी कैमरे स्थापित किये जाएं। जिसमें 60 दिनों की रिकॉर्डिंग संभव हो सके। जिलाधीश द्वारा जारी दंड प्रक्रिया अधिनियम की धारा 144 के तहत जारी आदेश जिला झज्जर में तुरंत प्रभाव से लागू होकर आगामी दो माह तक लागु रहेंगे। आदेश का उल्लंघन भारतीय दंड संहिता की धारा 188 के तहत दंडनीय अपराध होगा।

अभी अनसुलझी हैं पाहसोर व दुल्हेड़ा गांव में हुई लूटपाट की वारदातें

बहादुरगढ़। गांव पाहसोर व दुल्हेड़ा में हुई लूटपाट की वारदात अभी तक नहीं सुलझ पाई हैं। पुलिस की कई टीमें इन मामलों को सुलझाने में लगी हैं। दोनों ही मामलों में पुलिस के हाथ फिलहाल खाली हैं। जल्द ही इन वारदातों को सुलझाने का दावा किया जा रहा है।

दरअसल, गत 22 अक्टूबर और 22 दिसंबर की सायं ये वारदात हुई थी। दरअसल, झज्जर स्थित एक फर्म के कर्मचारी देवेंद्र व राजेश बादली इलाके में कलेक्शन करने आए थे। रुपये इकट्ठे करने के बाद दोनों स्कूटी पर सवार होकर झज्जर के लिए चल दिए। जब गांव पाहसोर में इंडोस्पेस कंपनी के निकट पहुंचे तो बाइकों पर सवार होकर आए बदमाशों ने इनको रोक लिया। फिर पिस्तौल के बल पर स्कूटी की चाबी निकाली और उसमें से चार लाख 75 हजार रुपये लेकर चंपत हो गए। इस संबंध में केस दर्ज हुआ था लेकिन आरोपी अभी पुलिस के हत्थे नहीं चढ़ सके हैं।

वहीं, दहकोरा में चंदन सिंह के साथ वारदात हुई थी। चंदन सिंह महराणा गांव में स्थित एक बैंक में कार्यरत है। गत 22 दिसंबर को लोन की किश्त लेने के लिए निकला था। जब दहकोरा से लोहारहेड़ी के लिए चला तो बाइक सवार तीन युवकों ने उसे धक्का देकर गिराया। फिर मारपीट कर पिस्तौल के बल पर बैग छीन लिया। बैग में मोबाइल, फर्स व 77 हजार रुपये थे। इस संबंध में आसौदा थाने में केस दर्ज हुआ था। मामले में जांच चल रही है। इसी तरह यहां सेक्टर-9 बाईपास पर हुई कार छीनने की वारदात भी अनसुलझी हैं। पुलिस का कहना है कि इन मामलों में गंभीरता से जांच चल रही है। जल्द से जल्द इन्हें सुलझाने का प्रयास है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो वह निम्न टेलीफोन नम्बरों पर कार्यालय समय पर सूचित करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400
बहादुरगढ़ : सुरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900

टीवीएस कंपनी के वेयर हाउस से लाखों का सामान चोरी

बहादुरगढ़। गांव भापड़ोदा स्थित टीवीएस कंपनी के वेयरहाउस से लाखों रुपये का सामान चोरी हो गया। सीसीटीवी फुटेज चेक करने पर वारदात का खुलासा हुआ। एक ट्रांसपोर्ट कंपनी के कर्मचारी पर चोरी करने का आरोप है। शिकायत के आधार पर मांडोठी चौकी पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस को दी शिकायत में तमिलनाडु के केश्वदास ने कहा है कि वह टीवीएस कंपनी में मैनेजर है। ओपीएस का काम देखता है। हमारी कंपनी का एक वेयरहाउस यहां गांव भापड़ोदा में है। इसकी देखरेख का जिम्मा मेरे कार्यक्षेत्र में आता है। कुछ दिन से वेयरहाउस में चोरी होने की बात सामने आ रही थी। इसके बाद उन्होंने जांच की। इस दौरान जेसीबी फ्यूल पंप के 23 बॉक्स गायब मिले। मामले की तह तक जाने के लिए जांच शुरू की। सीसीटीवी फुटेज चेक की तो चोरी करने वाले का पता चला। ट्रांसपोर्ट कंपनी का एक कर्मचारी राहुल गत 14 और 16 दिसंबर को बॉक्स उठाता नजर आया है। बकौल केश्वदास, राहुल गांव भापड़ोदा का ही रहने वाला है। उसने कंपनी को लगभग 14 लाख रुपये की हानि पहुंचाई है। आरोपी के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए। उधर, शिकायत के आधार पर मांडोठी चौकी पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। कंपनी से सीसीटीवी फुटेज आदि लेकर तफ्तीश शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि मामले में जांच चल रही है। जल्द से जल्द इस केस को सुलझाने का प्रयास रहेगा।

कुल 98 मौतः इनमें 81 हादसे, 13 आत्महत्या और चार की कुदरती मौत हुई

2023 में 94 लोगों के खून से लाल हुए रेलवे ट्रैक

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

लापरवाही के कारण सड़कों पर ही नहीं बल्कि रेलवे ट्रैक पर भी हर साल कई मौत हो जाती हैं। बीते 2023 में जीआरपी की सीमा में 98 लोगों की जान गई। इनमें से 94 लोगों के खून से रेलवे ट्रैक लाल हुए। अधिकांश मौतें लापरवाही के कारण हुई तो कुछ लोगों ने ट्रेन के आगे छल्लांग लगाकर जान दी।

हालांकि 2022 वर्ष की अपेक्षा आंकड़े में हल्की गिरावट दर्ज की गई है। वर्ष 2022 में बहादुरगढ़ जीआरपी क्षेत्र में 102 लोगों की जान गई। जबकि इस बार आंकड़ा 100 के अंदर ही रहा। जनवरी 2023 से हादसों की शुरुआत हुई और दिसंबर के अंत तक सिलसिला जारी रहा। इनमें 90 पुरुष तो आठ महिलाएं शामिल रहीं।

दुर्घटनाओं में 75 व्यक्तियों तथा 6 औरतों की मौत हुई। वहीं 11 आदमियों ने ट्रैक पर आत्महत्या की और दो महिलाओं ने भी ऐसा कदम उठा लिया। बाकी चार मौतें रेलवे सीमा में कुदरती तौर पर हुई, अधिकांश की वजह हृदयाघात रही। इस तरह से सालभर में 98 लोगों ने जान गंवा दी। मृतकों में अधिकतर लोग प्रवासी मूल के थे। हादसों में जान गंवाने वाले कई मृतकों की तो शिनाख्त भी नहीं हो पाई।

राजधानी से सटे बहादुरगढ़ से दिनभर में 150 से अधिक सवारी, एक्सप्रेस व माल गाड़ियां गुजरती हैं। हालांकि एक से दूसरी तरफ आने-जाने के लिए के लिए फुट ओवर ब्रिज, अंडर पास, फ्लाईओवर और फाटक आदि की व्यवस्थाएं हैं लेकिन जल्दबाजी के चक्कर में लोग लापरवाही करने से नहीं बाज नहीं आते। फाटक बंद होने पर भी लोग ट्रैक करने की कोशिश करते हैं और जान गंवा बैठते हैं। छोटूराम नगर फाटक के पास सबसे ज्यादा हादसे होते हैं। यहां प्रवासी तबका रहता है। कई बार कान में लीड लगाने अथवा नशे की हालत में ट्रैक पर चलने के कारण यहां हादसे हुए हैं। लगातार हो रहे हादसों से भी लोग सबक नहीं लेते। छोटूराम नगर फाटक, बराही फाटक व रेलवे स्टेशन के आसपास लोग खुले में ट्रैक क्रॉस करते देखे जा सकते हैं। पुलिस की मौजूदगी का भी लोगों पर कुछ खास असर नहीं पड़ता।

बहादुरगढ़। रेलवे स्टेशन के निकट ट्रैक के साथ गुजरते लोग। फोटो: हरिभूमि

जल्दबाजी के चक्कर में लापरवाही न बरतें

इस दिशा में लोगों को लगातार जागरूक किया जाता है। उन्हें समझाया जाता है कि गलत तरीके से रेलवे लाइन पार न करें। लोगों से यही अपील है कि अपने अनमोल जीवन को खतरे में न डालें। जल्दबाजी के चक्कर में लापरवाही न बरतें। यदि फाटक बंद हो तो खुलने का इंतजार करें। सुविधा के लिए बनाए गए फुटओवर ब्रिज आदि का इस्तेमाल करें।

- राजकुमार सिंह, एसएचओ जीआरपी थाना बहादुरगढ़

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार, 7 जनवरी 2024

एक-दूसरे से सहज संपर्क के लिए ईजाद किया गया मोबाइल फोन, अब हमारी जीवनशैली का जरूरी हिस्सा बन चुका है। इसमें मौजूद तकनीकों ने बहुत सहूलियतें दी हैं तो यह हमारे बारे में दूसरों को बहुत-सी जानकारियां भी दे सकता है। हमारे व्यवहार, मानसिकता और सामाजिक छवि के बारे में भी हमारा मोबाइल फोन बहुत कुछ बताता है।

हमारे बारे में बहुत कुछ बताता है

मोबाइल फोन

आपसे वह बात नहीं करना चाहता। पहले कई तरह के दूसरे बहानों की गुंजाइश थी, लेकिन अब नहीं रह गई है। इसलिए आज की तारीख में किसी का फोन उठाना या ना उठाना, आपके उस व्यक्ति के साथ रिश्ते अच्छे होने या ना होने का आधार माना जाता है।

{ कवर स्टोरी / किरण भास्कर }

इस समय दुनिया में कुल जितनी आबादी है, उससे करीब डेढ़ गुना ज्यादा मोबाइल फोन मौजूद हैं। एक अनुमान के मुताबिक धरती के हर कोने में, हर समय करीब चार अरब से ज्यादा मोबाइल फोन सक्रिय रहते हैं। मोबाइल फोन अब महज एक-दूसरे के साथ संपर्क का जरिया भर नहीं है बल्कि यह हर साल तीन ट्रिलियन से ज्यादा के ऑनलाइन और मोबाइल कारोबार का बुनियादी जरिया भी बन चुका है। दुनिया में हर दिन इसी मोबाइल फोन की बदौलत जहां करोड़ों दिल प्यार की डोर में बंधते हैं, वहीं लाखों लाख दिल हर दिन इसी मोबाइल के जरिए टूट भी जाते हैं। आज शासन-प्रशासन की ज्यादातर गतिविधियां भी मोबाइल फोन से ही संपन्न होती हैं। लब्बोलुआब यह कि आज मोबाइल फोन सिर्फ सूचना पाने या देने का जरिया ना होकर, यह हमारी आधुनिक जीवनशैली का जरूरी हिस्सा बन चुका है।

रिलेशन अप्रोच करता है साबित

जब तक मोबाइल फोन नहीं थे, दुनिया में सिर्फ लैंडलाइन फोन ही थे, तब तक किसी से फोन पर बात करने या ना करने की हमारे पास भरपूर छूट हुआ करती थी। मान लीजिए किसी ऐसे व्यक्ति का फोन हमारे लैंडलाइन पर आया, जिससे हम बात नहीं करना चाहते, तो किसी और से कहला दिया जाता था कि आपको जिनसे बात करनी है, फिलहाल वो यहां मौजूद नहीं हैं। लेकिन अब इस तरह की छूट लेना संभव नहीं रहा, क्योंकि भले आपका मोबाइल फोन उठाकर कोई अन्य सदस्य कॉल करने वाले से यह कह दे कि आपको जिनसे बात करनी है, वो यहां मौजूद नहीं हैं, सिर्फ उनका मोबाइल फोन यहां छूट गया है। लेकिन अब आपकी ऐसी बातों पर कोई आसानी से यकीन नहीं करेगा। भले यह सौ फीसदी सच हो, क्योंकि मोबाइल फोन का मतलब होता है, ऐसा फोन जो सिर्फ आपके पास रहता है और जिसे आप ही उठाने या ना उठाने का निर्णय करते हैं। इसलिए आज के दौर में किसी का फोन अगर कोई नहीं उठाता, तो इसका साफ संदेश होता है कि

कॉलर की पहचान हुई आसान

आज की तारीख में मोबाइल फोन इसलिए एक सेंसिटिव, एटिकेट और रिलेशन का मानक बन गया है, क्योंकि आज तकनीक ने हमसे वो तमाम बहाने छीन लिए हैं, जिनकी बदौलत पहले हम यह भ्रम पाल सकते थे या किसी और से पलवा सकते थे कि वास्तव में हमें आपकी सही-सही पहचान का पता नहीं चलता था। लेकिन आज ऐसा नहीं है। करीब-करीब हर व्यक्ति के फोन में यह सुविधा है कि जब कोई फोन आ रहा हो

तो साफ पता चल सके कि फोन कौन व्यक्ति कर रहा है। जिन्हें अभी यह सुविधा उपलब्ध नहीं है या जो इसका उपयोग नहीं करते, उन्हें भी कम से कम इतना तो पता चल ही जाता है कि फोन कौन कर रहा है? अगर उसका फोन नंबर आपके मोबाइल में मौजूद है या उससे नियमित बात होती है तो।

लोकेशन भी बताता है फोन

अब तो कई ऐसी नई तकनीकें भी आ चुकी हैं, जिनके कारण लोगों का यह बहाना भी छिन गया है, जिसमें वे होते कहीं और थे, जबकि बताते कहीं और थे। इससे उन्हें बात ना करने की छूट मिल जाती थी। आज बहुत मामूली भुगतान पर ऐसे तकनीकी एप मौजूद हैं, जो आपको बताते हैं कि फोन करने वाला व्यक्ति कहां से फोन कर रहा है? यानी कॉलर की प्रेजेंट लोकेशन क्या है? इसलिए आप दिल्ली में बैठे हुए किसी व्यक्ति से यह नहीं कह सकते कि मैं मुंबई में हूं। बेहतर यही है कि मोबाइल से बात करते समय अपनी लोकेशन के बारे में सच ना छुपाएं।

यहां जिक्र की गई क्वालिटीज के अलावा भी फोन की तकनीक ने हमारी जिंदगी के बहुत सारी परतों को सबके सामने खोलकर रख दिया है। कुल मिलाकर कहने की बात यह है कि आज रोजमर्रा की जिंदगी में फोन हमारी जीवनशैली और रोजगार से लेकर भावनाओं के कारोबार तक का जरिया बन चुका है, इसलिए फोन का बहुत सटीक और जितना हो सके ईमानदार उपयोग करें, वरना आपकी सालों की बनी-बनाई इमेज को मोबाइल फोन पलक झपकने की देरी में डैमेज कर सकता है। *

फॉलो करें मोबाइल एटिकेट्स

मोबाइल फोन के पर्सनल यूज में सावधानियों के साथ शिष्टता का बर्ताव करते हुए कुछ प्रैक्टिकल टिप्स को भी याद रखना चाहिए।

- जब भी किसी क्लोज फ्रेंड या रिलेटिव से पब्लिक प्लेस या वर्कप्लेस पर बात करें तो उसके फोन को स्पीकर पर ना डालें। इससे फोन करने वाले को इंसल्ट महसूस होती है। उसे लगता है उसकी बातें दूसरे ऐसे लोग भी सुन रहे हैं, जिनको नहीं सुनना चाहिए, फिर चाहे भले ऐसा ना हो रहा हो।
- फोन से बात करते हुए कभी भी अपनी आवाज बहुत तेज ना करें। कोशिश करें कि किसी सार्वजनिक जगह पर फोन से तभी बात करें, जब आपके आस-पास 4-5 फीट तक कोई ना खड़ा हो।
- वो दिन बीत गए जब लोग धड़ल्ले से दूसरों का लैंडलाइन फोन इस्तेमाल किया करते थे। मोबाइल के दौर में दूसरे के फोन के इस्तेमाल की कोशिश ना करें। यदि मजबूरी में ऐसा करना हो तो बिना परमिशन ऐसा ना करें।
- अगर आप किसी मीटिंग या पब्लिक प्लेस पर हैं और बात नहीं कर सकते तो कॉल करने वाले को मैसेज से सूचना जरूर दे दें कि बाद में आप कॉल करेंगे। *

डिजिटल संवाद का पसंदीदा सिंबल इमोजी

व्हाट्सअप, मैसेंजर, एसएमएस, ई-मेल, फेसबुक या ट्विटर, सोशल मीडिया या डिजिटल कम्युनिकेशन का कोई भी ऐसा प्लेटफॉर्म नहीं है, जहां इन दिनों इमोजी का जमकर इस्तेमाल ना हो रहा हो। सच यही है कि आज की डिजिटल होती लाइफस्टाइल में इमोजी पूरी तरह फिट हो गई है।

{ टेक्नोलाइफ / लोकमित्र गौतम }

आज के दौर में पूरी दुनिया में लोग एक-दूसरे को जो डिजिटल मैसेज भेजते हैं, उनमें शायद ही किसी भी भाषा का कोई शब्द इतना ज्यादा इस्तेमाल होता हो, जितनी ज्यादा इमोजी का इस्तेमाल होता है। जी हां, वही छोटी-छोटी आकृतियां जिन्हें स्माइली भी कहा जाता है। दुनिया भर में हर दिन लोग आपस में डिजिटल संवाद करते हुए 6 बिलियन से ज्यादा बार इमोजियों का इस्तेमाल कर रहे हैं। ऐसा होना स्वाभाविक है, क्योंकि इमोजीज, डिजिटल संवाद को नए अर्थ ही नहीं, नए आयाम भी देती है। दरअसल, जब हम मन में उमड़-घुमड़ रहे असीमित भावों को शब्दों में व्यक्त कर पाने में असमर्थता महसूस करते हैं, तो ये छोटी-छोटी डिजिटल सिंबल्स हमारे बहुत काम आती हैं।

कहां से आई इमोजी: इमोजी, जापानी भाषा का शब्द है, जिसका मतलब होता है, चित्राक्षर। इ का मतलब होता है- चित्र और मोजी का मतलब अक्षर या वर्ण। इसे एक छोटी डिजिटल इमेज या आइकन भी कहा जा सकता है। इसका विकास साल 1997 में एक जापानी कलाकार शिगेताका कूरिता ने किया था। शिगेताका पेशे से इंजीनियर नहीं, अर्थशास्त्र से स्नातक थे और टेलीकॉम कंपनी डोकोमो में काम करते थे। उन्होंने ही पहली बार 176 इमोजी बनाए थे, जो दुनिया में इमोजीज का पहला सेट माना जाता है। इसमें 11X12 ग्रिड पर फिक्सेलेटिड रंगीन कार्प, सिलाई जैसे डिजाइन प्रस्तुत किए गए थे। इसके लिए सड़क संकेतों और चीनी अक्षरों से बनने वाले संकेतों का भी सहारा लिया गया था। इसका उद्देश्य उस जमाने में सेलफोन पर एक सीमित टेक्स्ट को असीमित आयाम देना था, क्योंकि उन दिनों 250 अक्षरों (कैरेक्टर्स) में ही अपना संदेश लिखने की बाध्यता होती थी। इस सीमा में रह कर अपने सीमित संदेश को कैसे असीमित आकार दें, इमोजी के संकेताक्षरों की खोज इसी उद्देश्य के लिए हुई थी।

यंगस्टर्स ने बढ़ाई पॉपुलैरिटी: वैसे कम्युनिकेशन में इमोजी का अस्तित्व पिछली सदी में ही अपनी जगह बना चुका था, लेकिन इसकी लोकप्रियता में उफान मौजूदा सदी के साल 2011 में तब आया, जब इसने धीरे-धीरे युवाओं को आपसी संवाद की भाषा में अपने इस्तेमाल के लिए आकर्षित किया। चार साल बाद सन् 2015 में 'ऑक्सफोर्ड इंग्लिश डिक्शनरी' ने इमोजी शब्द को अपने यहां जगह दी, जिस कारण इसे एक विश्वव्यापी परिभाषा मिली। ऑक्सफोर्ड इंग्लिश डिक्शनरी में इमोजी के लिए लिखा गया, 'फेस विद टीयर्स ऑफ जॉय।' इमोजी के बारे में अगर कहा जाए कि यह डिजिटल जनरेशन की सबसे पसंदीदा भाषा है, और पूरी दुनिया में इसकी एक जैसी वर्तनी और एक जैसी अभिव्यक्ति है, तो इसमें जरा भी अतिश्योक्ति नहीं होगी। यही वजह है कि बिना किसी प्रचार या प्रयास के भी आज हर दिन पूरी दुनिया में 6 बिलियन से ज्यादा इमोजीज का लोग आपसी संवाद में इस्तेमाल करते हैं। यह दुनिया की पहली ऐसी डिजिटल भाषा है, जो इस्तेमाल तो इमेज के रूप में होती है, लेकिन दिमाग में उसके भाव शब्दों के रूप में अर्थ पाते हैं। जून 2018 तक यूनिकोड 1,823 इमोजी को पहचानता था, जिनकी संख्या आज की तारीख में (यूनिकोड वर्जन 15.0 में) बढ़कर 3,664 हो चुकी है। यह चित्रमय भाषा दुनिया को, विशेषकर युवाओं को इस कदर आकर्षित कर रही है कि पिछले तीन सालों में इसका 775 प्रतिशत इस्तेमाल बढ़ा है। एक अनुमान के मुताबिक दुनिया भर में 92 प्रतिशत से ज्यादा मिलेनियल्स यानी, जिनका जन्म 21वीं में हुआ है, इसका प्रयोग करते हैं।

हर एज के लोग करते हैं यूज: 'एप बाय' नामक एक एप ने अपने सर्वे के जरिए यह निष्कर्ष निकाला है कि इंटरनेट का इस्तेमाल करने वाले 78 फीसदी से ज्यादा लोग अपने टेक्स्ट मैसेजों में इमोजी का इस्तेमाल करते हैं। सबसे ज्यादा अपने लिखित संदेशों में इमोजी का इस्तेमाल करने वाले उपभोक्ताओं की उम्र 44 साल से कम होती है। जबकि 45 साल और उसके अधिक उम्र के लोग इनके इस्तेमाल को लेकर थोड़े उदासीन होते हैं, फिर भी 24 फीसदी इस उम्र के लोग भी इनका इस्तेमाल खूब करते हैं। *

{ गजल / डॉ. माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग' }

झूठ के बाजार में

झूठ के बाजार में शाइस्तगी चलती नहीं
चापलूसी होती है पर मुफलिसी चलती नहीं
पेट की खातिर जलाना पड़ता खुद को रात-दिन
इश्क करने से किसी की जिंदगी चलती नहीं
वक्त आ जाए बुरा तो आगे बढ़कर जीस्त में
जूझना पड़ता है हरदम बुजदिली चलती नहीं
लोग मिलते हैं जहां में खुद-परस्ती के लिए
आजकल राहे वफा में दोस्ती चलती नहीं
दूर जाना पड़ता है सबको अकेले एक दिन
आसमां चलता नहीं ये सरजमीं चलती नहीं
शौक से जलता है परवाना शमा के सामने
बेखुदी के हाल में आवारगी चलती नहीं
रंग वो ही पालते हैं, जिनके मन में खोट है
हो खुलूसे दिल अगर तो दुश्मनी चलती नहीं

भाव श्रद्धा का न हो तो बंदगी किस काम की
आस्था के नाम पर दीवानगी चलती नहीं
सहना पड़ता है चमन का दर्द गुल के वास्ते
सिर्फ लफ्फाजी से 'नवरंग' शायरी चलती नहीं

{ पुस्तक चर्चा / सरस्वती रमेश }

स्त्री जीवन की कहानियां

बेटी को भले ही पराया धन माना जाता है लेकिन ब्याह के बाद भी एक बेटी अपने बाबुल को कभी पराया नहीं समझती। ताउम्र वह अपने मायके की खुशहाली के जतन में लगी रहती है। किसी कारणवश ब्याही बेटी को अगर मायके लौटना पड़े तो वह अपने ही घर मे बोझ बन जाती है। जलालत और रोज-रोज का क्लेश उसके जीवन का अंग बन जाता है। कुछ ऐसी ही बेटियों की संवेदनाओं और संघर्षों को बयां करती कहानियों का संग्रह है 'बाबुल और अन्य कहानियां।'

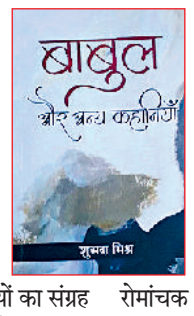

इस संग्रह में कुल दस कहानियां हैं। अधिकतर कहानियों में नायिकाएं बेटियां हैं। ये ऐसी बेटियां हैं, जो ससुराल से मायके में लौटते ही अपनों की आंखों की किरकिरी बन जाती हैं, फिर भी अपनी जिम्मेदारियों से पीछे नहीं हटती हैं। 'तारनहार', 'बाबुल', 'सजा' ऐसी ही बेटियों की कहानियां हैं। 'सजा' कहानी में नायिका को मिले कष्टों के साथ रिश्तों की बेमानी होने की पीड़ा को भी महसूस कर सकते हैं।

'छलावा' चालीस पार की एक स्त्री के प्रेम में पड़ने की कहानी है। लेखिका ने बड़ी बारीकी से नायिका के एहसासों को उकेरा है। 'कीमत' एक भुतहे घर की कीमत लगने की रोमांचक कहानी है। कहानियों की भाषा सहज-सरल है। यही वजह है कि पाठक इनसे सहज ही जुड़ जाता है। असल में ये ऐसी कहानियां हैं, जिनके कथानक हम अपने घर, परिवार, पड़ोस या रिश्तेदारी में देख सकते हैं। *

पुस्तक: बाबुल और अन्य कहानियां (कहानी संग्रह), **लेखिका:** शुभदा मिश्र, **मूल्य:** 200 रुपए, **प्रकाशक:** वैभव प्रकाशन, रायपुर

{ लघुकथाएं }

अनमोल अमानत

तन्मय बदहवास-सा भागता हुआ रद्दी का सामान लेने वाले मंगतलाल की दुकान पर आया। वह हांफ रहा था। सांसों को संभालते हुए तन्मय बोला, 'मेरे घर से अभी अभी रद्दी लेकर तुम्हीं आए थे ना चाचा। उसमें एक साड़ी थी, बहुत पुरानी। पत्नी ने गलती से रद्दी के सामान के साथ तुम्हें बेच दी है चाचा। उससे बहुत बड़ी भूल हो गई। मैं घर में होता तो बिना जांचे तुम्हें रद्दी का सामान नहीं बेचता। असल में मैं बाजार चला गया था कुछ सामान लाने।'

तन्मय की आवाज में अपनी अमानत को लेकर गहरी चिंता थी।

मंगतलाल किसी की आई हुई रद्दी तौल रहा था। रद्दी तराजू पर चढ़ाते हुए बोला, 'बहुत कीमती साड़ी थी क्या बेटा? उसमें सोना-चांदी तो नहीं जड़ा था?'

'नहीं सोना-चांदी तो नहीं जड़ा था। तांत की सफेद साड़ी थी। साइड में ब्लू रंग का बॉर्डर था।' तन्मय ने बताया। मंगतलाल कुछ नहीं बोला।

तन्मय ने आतुरता से पूछा, 'हमारे घर से जो रद्दी लाए थे, कहां रखी है आपने चाचा?'

मंगतलाल ने इशारे से बताया, 'वो देखो कोने में रखी हुई है, सफेद वाले बोरे में।' तन्मय तेजी से बोरे के पास गया, उसे खोलकर रद्दी खंगालने लगा। बोरे में नीचे सफेद साड़ी झांक रही थी। तन्मय की खुशी का ठिकाना ना रहा। वह खुशी से बोला, 'मंगत चाचा, मिल गई साड़ी!' मंगतलाल ने साड़ी को हाथ में लेकर देखा। सफेद रंग की साड़ी जगह-जगह से फटी हुई थी। मन ही मन उसने सोचा इसके तो कोई पांच रुपए भी ना देता। मंगतलाल मजाक में बोला, 'बेटा, पांच सौ रुपए लगेंगे इस साड़ी के।'

तन्मय ने झट से बटुए से पांच सौ रुपए का नोट निकाल कर मंगतलाल के हाथ पर रख दिया और बोला, 'चाचा, आपने बहुत कम पैसे इस साड़ी के मांगे हैं। अगर आपने पांच हजार रुपए भी मांगे होते तो मैं खुशी-खुशी दे देता। यह मेरी मां की आखिरी निशानी है।' तन्मय साड़ी लेकर आगे बढ़ने को हुआ तो मंगतलाल ने टोका, 'सुनो बेटा, मैंने अभी बहू को रद्दी के पैसे दिए नहीं हैं। सोचा था दोपहर जाकर दे आऊंगा। यह पांच सौ रुपए का नोट वापस रख लो। बड़ी अजीब बात है, कोई इतनी मामूली चीज के पांच सौ रुपए देने को तैयार है!'

'आपके लिए यह मामूली होगी मंगत चाचा। मेरे लिए तो यह अनमोल अमानत है। मेरी मां की आखिरी निशानी है यह साड़ी।' यह कहते हुए तन्मय की आंखें छलक आई थीं। *

-महेश कुमार केशरी

स्नेह

अमन बहुत दिनों से नोटिस कर रहा था कि उसके घर के पास काम करने वाला एक बुजुर्ग उसे घूरता रहता था। जब भी अमन वहां से गुजरता, वह बुजुर्ग उसे ध्यान से देखता रहता। कभी-कभी तो वह अमन को देखकर मुस्कुरा भी देता। अमन को लगता कि कहीं यह बुजुर्ग कोई चोर-उचक्का तो नहीं है, जो उस पर नजर बनाए हुए है। अवसर पाकर उसको लूट लेगा। लेकिन उसकी उम्र को देखकर नहीं लगता था कि वह ऐसा कुछ करेगा। फिर भी अमन को अजीब-सा डर सताए रहता था।

एक दिन अमन ऑफिस के लिए निकल रहा था। वह बुजुर्ग उसे

फिर दिखाई दे गया। आज भी वह अमन को एकटक देखे जा रहा था। उसने अमन को देखकर हल्की मुस्कान भी छोड़ी। अमन से रहा नहीं गया। वह उस बुजुर्ग के पास गया और कड़े शब्दों में पूछा, 'क्या आप मुझे जानते हैं? मुझे आप यूं घूरते क्यों हैं? आप दिमागी रूप से ठीक हैं ना?'

अमन की बातों को सुनकर बुजुर्ग थोड़ा हड़बड़ा गया। उसे जवाब देते नहीं बन पा रहा था। लेकिन वह बड़ी हिम्मत करके आहिस्ता से बोला, 'बेटा, मैं तो तुम्हें देखकर अपने बेटे को याद कर लेता हूं। वह अब तुम्हारी तरह जवान हो गया होगा। वह बारह साल पहले मुंबई कमाई करने गया था, तब से घर नहीं लौटा। पता नहीं कहां गायब हो गया? मैं यहां अपने गांव से बहुत दूर आकर मजदूरी कर अपना और अपनी पत्नी का किसी तरह पेट पाल रहा हूं। सात साल से घर नहीं गया। तुम्हें देखता हूं तो उसकी याद आ जाती है। तुम्हें देखकर मन को बहला लेता हूं कि वह भी तुम्हारी ही तरह दिखता होगा।' बुजुर्ग की बातें सुनकर अमन की आंखें भीग गईं। उसे अपनी सोच पर पछतावा हुआ। बुजुर्ग की आत्मीयता ने उसे अंदर तक स्नेह से भर दिया। *

-ललित शौर्य

पहचान

यह जनवरी की एक मखमली दोपहर थी। माहौल में शोखियां उरूज पर थीं। प्रदेश की कला अकादमी आज चित्रकार उमा को एक विशेष पुरस्कार से सम्मानित कर रही थी। उमा की सहेलियां तो उससे भी पहले सभा स्थल पर आ गई थीं। आती भी कैसे नहीं, उनकी सहेली उमा के साथ उन्हें भी तो उस समारोह की शोभा बनना था।

जब उमा की वह कलाकृति लगाई गई, जिसके लिए पुरस्कार मिलना था तो उसको देखकर सखियां हतप्रभ रह गईं। सखियों ने एक ही बार में पहचान लिया था कि कलाकृति में जो उदास-हताश बच्चे दिख रहे हैं, वह उमा की पुरानी काम वाली बाई के हैं। उमा ने अपनी कृति में गरीब बच्चों की

पीड़ा को उकेरा था, जिसे देखकर किसी का भी हृदय द्रवित हो सकता था।

तभी समूचा हाल ताली की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। उमा को मंच पर बुलाकर सम्मानित किया गया। उसके लिए बधाई और शुभकामनाओं की बरसात होने लगी। लौटते समय एक सहेली ने उमा से कहा, 'लेकिन उमा ये बच्चे तो अब बहुत ही अच्छे एथलीट हैं, स्कॉलरशिप भी पा रहे हैं। इस तरह उनकी अनुमति के बगैर उनका चित्र बनाकर तुमने गलत तो नहीं किया?'

'अरे, जाने दो यार, मेरे टुकड़ों पर पलते थे वे बच्चे। आज वो कौन-सा खुद को पहचान लेंगे।' कहकर उमा ने अपनी अवार्ड ट्रॉफी को गौरव-भाव से चूम लिया। *

-हरीश चंद्र पांडे

लेखक ध्यान दें...

लेखक रविवार भारती में प्रकाशनार्थ अपनी रचनाएं / लेख कृपया ई-मेल आईडी **haribhoomifeaturedep@gmail.com** पर भेजें।

हाल में शुरू हुए इस नए वर्ष में ही नहीं, आने वाले पूरे जीवन में आप खुशहाल रह सकते हैं, स्वस्थ-दीर्घायु भी पा सकते हैं। इसके लिए आपको अपने जीवन को जीने के तरीके में कुछ बदलाव करने होंगे। इस दिशा में प्रसिद्ध जापानी जीवनशैली ईकीगाई बहुत सहायक सिद्ध हो सकती है।

दीर्घायु-खुशहाल जीवन का जापानी तरीका ईकीगाई

{ जीवनशैली / शिखर चंद जैन }

इस दुनिया में हम सभी स्वस्थ दीर्घायु और खुशहाल जीवन चाहते हैं। वास्तव में ये दोनों ही एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं। सेहत विज्ञानियों के अनुसार, जो लोग जिंदादिल और खुशहाल होते हैं, वे दीर्घायु भी होते हैं। लेकिन इनको हासिल करने के लिए आपकी मददगार हो सकती है जापानी जीवनशैली का अहम भाग, ईकीगाई। इस जापानी शब्द का मतलब है-मकसद। जी हां, जापानी जीवनशैली के अनुसार, अगर आपने अपने जीने का उद्देश्य या मकसद ढूंढ़ लिया, तो आप दूसरे लोगों की तुलना में दीर्घायु और खुशहाल होंगे। लंबी आयु के मामले में जापान के लोग दुनिया भर में जाने जाते हैं और वे इस बात पर पूरी गंभीरता से अमल भी करते हैं। आप भी इस वर्ष से अपने जीवन में ईकीगाई को शामिल कर सकते हैं।

हो चुके हैं कई अध्ययन

हजारों जापानी वयस्कों पर किए गए अध्ययन से पता चला है कि जिन लोगों ने अपने जीने का मकसद तय कर लिया है या जानते हैं, उनकी जिंदगी में तनाव कम होता है। इसी वजह से उनकी आयु लंबी होती है। ये सारे लोग जापान के ओकिनावा द्वीप के रहने वाले थे। अमेरिका में हुए एक अन्य अध्ययन में भी पाया गया कि जिन लोगों ने अपनी जीने का मकसद जान और समझ लिया, उनमें बिना लक्ष्य के जीने वालों की तुलना में मृत्यु का जोखिम 15 फीसदी तक कम होता है। माउंट सिनी सेंट ल्यूक एवं माउंट सिनाई रूजवेल्ट के शोधकर्ताओं ने अपने गहन अध्ययन के बाद यह निष्कर्ष निकाला है कि जीने का मकसद स्पष्ट रूप से समझने वालों की मृत्यु में अन्य सभी कारणों से 23 फीसदी और हार्ट डिजीज या स्ट्रोक से मृत्यु की 19 फीसदी संभावना कम हो जाती है। अध्ययन के मुखिया रैंडी कोहेन कहते हैं, 'जीने का उद्देश्य जानने और मृत्यु से सुरक्षा पाने के बीच बड़ा गहरा संबंध है। कनाडा की कार्लेटन यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने दीर्घ आयु पर अध्ययन करते हुए पाया कि जिन लोगों ने अपने जीवन की दिशा तय कर रखी है और लक्ष्य निर्धारित कर रखे हैं, वे लंबी आयु पाते हैं। भले ही यह लक्ष्य अधेड़ अवस्था में ही क्यों न तय किया गया हो। 'साइकोलॉजिकल साइंस' में प्रकाशित इस अध्ययन के मुखिया पैट्रिक हिल हैं। अमेरिका स्थित शिकागो की रश यूनिवर्सिटी मेडिकल सेंटर द्वारा किए गए एक अन्य अध्ययन के नतीजे में जीवन के उद्देश्य निर्धारण से ओल्ड एज में होन वाली अल्जाइमर्स डिजीज से मस्तिष्क की सुरक्षा की दिशा में फायदेमंद बताया गया है।

मकसद निर्धारण का फायदा

प्लानिंग करने और आने वाले समय में हासिल करने के लिए तय किए गए लक्ष्य को हासिल करने की जद्दोजहद आपके दिमाग को व्यस्त रखती हैं। साथ ही आपके तन को एक्टिव और फिट रखती है। इससे आप चिंताओं में उलझकर मानसिक रूप से परेशान होने या आलस्य के वशीभूत होने से बच जाते हैं। ये दोनों ही बातें, तन-मन की सेहत के लिए नुकसानदायक हैं। जब हम सुबह किसी काम को करने के उत्साह और लगन से उठते हैं तो हमारा मन प्रसन्न रहता है और लक्ष्य हासिल करने के लिए हम जल्दी-जल्दी एक के बाद एक काम निपटाते चले जाते हैं।

ऐसे तय करें लक्ष्य

अपनी जिंदगी का मकसद तय करने के लिए आपको खुद से कुछ सवाल पूछने होंगे और ईमानदारी से उनका जवाब देना होगा। जैसे-

मुझे क्या करना अच्छा लगता है : यहां आपको अपना सबसे खास शौक जानना होगा। ये शौक एक या उससे अधिक भी हो सकते हैं। इन्हें आप कभी ना छोड़ें, बशर्ते ये अच्छे, सकारात्मक और रचनात्मक हों। हर अच्छा शौक आपको कोई ना कोई फायदा जरूर देता है, चाहे वो तन को दुरुस्त रखता हो या मन को सुकून देता है। आप चाहे जितने व्यस्त रहें लेकिन इन्हें पूरा करने के लिए डेली या वीकली अपना कुछ वक्त जरूर दें।

मैं क्या अच्छा कर सकता हूं: यह आपके बिजनेस या पेशे से संबंधित होता है। आप किस काम को अच्छी तरह कर सकते हैं और किस काम को करने में आपकी अधिक दिलचस्पी है, यह आपको जरूर मालूम होना चाहिए। अगर आप अपनी क्षमता, दिलचस्पी से संबंधित काम करेंगे तो आपको हर दिन कुछ ना कुछ जरूर हासिल होगा, जिससे आपका उत्साह बना रहेगा, जिससे आपकी सफलता के चांसेज भी बढ़ेंगे।

लोग मुझसे क्या चाहते हैं: इस सवाल का जवाब देते समय उन लोगों के बारे में सोचें, जो आपके लिए वास्तव में महत्व रखते हैं। इनमें दो तरह के लोग होंगे- पहले, वे जो आपको शिद्दत से चाहते हैं। आप हमेशा उनका साथ और खुशी चाहते हैं। दूसरे तरह के लोग, जिनसे आपको फाइनेंशियल फायदा होता है। इससे आपको अपने दैनिक कामों और क्रियाकलापों को तय करने की दिशा भी मिलेगी, उन्हें करने में मजा भी आएगा। ये दोनों ही स्थितियां आपको उत्साह और प्रसन्नता देने वाली होंगी। इन्हीं 3 सवालों और उनके जवाबों में आपके जीने का मकसद छिपा है। *

ये भी हो सकते हैं लक्ष्य

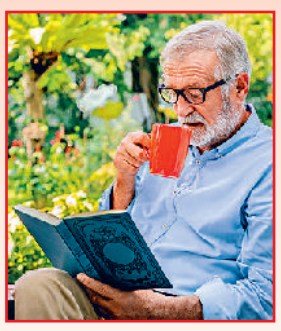

- अपने बच्चों को सही ढंग से पाल-पोस कर बड़ा करना।
- डेली कोई अच्छी-सी किताब पढ़ना। चाहे वह हेल्थ बुक हो, आध्यात्मिक पुस्तक हो, कहानियों की किताब हो।
- दिन भर काम करने के बाद शाम को पसंदीदा टीवी प्रोग्राम देखना या दोस्तों के साथ गपशप करना।
- किसी के प्रति आभार व्यक्त करना, जो कल आपके काम आया था या आपकी मदद की थी।
- अपनी मां, बहन, पत्नी, पति या किसी अन्य निकट संबंधी के लिए कुछ स्पेशल करना है। उनके साथ खुशी बांटनी है। *

{ धर्म-संस्कृति / आर.सी.शर्मा }

धार्मिक-स्वास्थ्य की दृष्टि से

बहुत महत्वपूर्ण है पौष माह

हिंदू पंचांग के मुताबिक पौष मास या पूस का महीना मार्गशीर्ष या अगहन महीने की पूर्णिमा के अगले दिन से शुरू होता है। यह हिंदू पंचांग का दसवां महीना होता है। 27 दिसंबर 2023 से शुरू होकर यह माह 25 जनवरी 2024 को खत्म होगा। इस महीने की पूर्णिमा को चंद्रमा पुष्य नक्षत्र में होता है, इसलिए इस महीने का नाम पौष रखा गया है। इस महीने का जितना धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व है, उससे कहीं ज्यादा इसका सेहत के नजरिए से भी महत्व है।

सूर्यदेव को समर्पित माह: धार्मिक दृष्टि से देखा जाए तो यह महीना भगवान सूर्य को समर्पित है। इस वजह से इस महीने में सूर्यदेव की पूजा करने पर सबसे ज्यादा महत्व है। सूर्य की पूजा से बहुत शुभ फल मिलते हैं। पूरे पौष माह नियमित रूप से सूर्यदेव को जल चढ़ाने से ना सिर्फ घर में संपन्नता आती है, बल्कि मान-सम्मान में भी वृद्धि होती है। धार्मिक विधान के मुताबिक पौष माह में हर रविवार को सूर्यदेव का व्रत रखना चाहिए। उन्हें अर्घ्य देकर तिल, चावल और खिचड़ी का भोग लगाना चाहिए। स्नान, ध्यान के बाद नियमित रूप से सूर्य भगवान की पूजा और सूर्य मंत्र का जाप करना चाहिए। सनातन धर्म में सूर्य को प्रधान देवता माना गया है। ग्रंथों के मुताबिक पौष माह में सूर्य के भग स्वरूप की पूजा करनी चाहिए। शास्त्रों के मुताबिक धर्म, यश, श्री, ज्ञान, ऐश्वर्य और वैराग्य को भग कहते हैं। इनसे युक्त को ही भगवान माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक इस माह जो व्यक्ति प्रतिदिन सूर्यदेव को अर्घ्य देता है और उनकी उपासना करता है, उन्हें ज्ञान, सुख और समृद्धि की प्राप्ति होती है। पौष माह में पूजा, पाठ और जप तप करने से आरोग्यता की प्राप्ति होती है।

बहुत कुछ है पौष माह में खास : पौष माह श्राद्धकर्म और पिंडदान के लिए भी उत्तम माना जाता है। माना जाता है कि इस माह में पैदा होने वाले लोग बुद्धिमान, धनवान, शूरवीर और कठोर होते हैं। इस महीने को छोटा पितृ पक्ष भी कहते हैं। मान्यता के मुताबिक पितृ पक्ष की तरह इस माह भी पूर्वजों के लिए खास पूजा की जाती है। लेकिन इस महीने गृहप्रवेश या विवाह जैसे धार्मिक समारोह नहीं करने चाहिए।

स्वास्थ्य की दृष्टि से अहम: स्वास्थ्य की दृष्टि से भी यह महीना बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि इस महीने में मिलने वाली सूर्य की हल्की गरमाहट भरी धूप से शरीर को भरपूर विटामिन डी मिलती है। आयुर्वेद के मुताबिक पौष मास में ब्रह्म मुहूर्त में जगने से शरीर में वात, पित और कफ का संतुलन बना रहता है। हम चुस्त, दुरुस्त और तरोताजा महसूस करते हैं। इस मौसम में जठराग्नि तेज होती है, इसलिए डायटीशियन भी इस मौसम में गेहूं, तिल और गुड़ से बनी चीजों के खाने की सलाह देते हैं। इस मौसम में तांबे के बर्तन में रखा पानी पीया जाए तो शरीर में धातुओं का बैंलेस बना रहता है। हम सब जानते हैं कि सूर्य की किरणें ना सिर्फ हमें जीवन देती हैं, बल्कि रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी बढ़ाती हैं और सूर्य की किरणें सबसे गुणकारी इसी माह में होती हैं। लेकिन इस महीने बैंगन, मूली, फूलगोभी और उड़द-मसूर की दालों का सेवन नहीं करना चाहिए। *

होती है मोक्ष की प्राप्ति

इस माह की पूर्णिमा का भी विशेष महत्व होता है। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक इस दिन विधिपूर्वक पूजा करने से व्यक्ति को मोक्ष की प्राप्ति होती है। इसलिए पौष पूर्णिमा के दिन पवित्र नदियों में स्नान और सूर्यदेव को अर्घ्य देने की परंपरा है। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक पौष पूर्णिमा पर काशी या त्रिवेणी के संगम में स्नान और दान किया जाए तो अक्षय पुण्य फल की प्राप्ति होती है। पौष माह की पूर्णिमा के दिन पवित्र जल में स्नान करने से वही पुण्य लाभ मिलता है, जो पूरे महीने की पूजा पाठ से मिलता है। धन और संतान देने वाला माना गया है। *

{ विज्ञान-तकनीक/ संजय श्रीवास्तव }

इस साल और बढ़ेगी

भारत की ख्याति

विगत वर्ष के ठोस आधार पर इस साल विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में देश बहुत कुछ नवनिर्माण करेगा और शोध विकास में आगे बढ़ेगा। इस साल भारत की संभावित उपलब्धियों पर एक नजर।

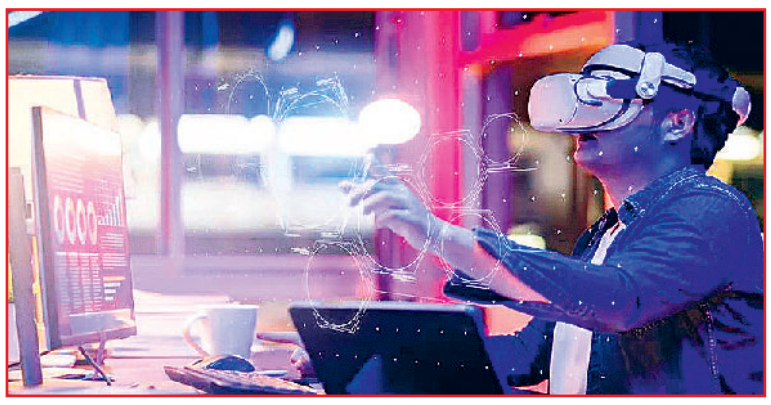

विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में आगामी सालों में देश को जो ढेरों उम्मीदें हैं, इसमें से कई के इसी साल पूरी होने की आशा है। वजह है, पिछले वर्षों में देश का इस क्षेत्र में किया गया शानदार प्रदर्शन। सकारात्मक सरकारी रुझान और कुछ विकसित देशों से हुए महत्वपूर्ण समझौतों के साथ हमारे वैज्ञानिकों, तकनीकविदों, संबंधित संस्थानों की उत्कृष्ट प्रतिबद्धता। पिछले बरस जिन परियोजनाओं की शुरुआत हुई थी, इस साल संभव है कि उनको अमली जामा पहना दिया जाए।

एआई में आएगा बहुत कुछ नया: एआई यानी कृत्रिम बुद्धिमता का क्षेत्र सबसे ऊपर रहने वाला है। इस क्षेत्र में पिछले कुछ बरसों से भारत बेहतरीन प्रदर्शन कर रहा है। इस साल 2024 में वह ग्लोबल पार्टनरशिप ऑन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी जीपीएआई की अध्यक्षता करेगा। संभव है कि इस बार कोई बेहद चौंकाने वाली चीजें सामने आएं। फिलहाल चैट जीपीटी का विकल्प बनने का ही नहीं, उससे कई गुना आगे निकलने वाले 12 भारतीय सहित 120 भाषाओं में इसका प्रदर्शन संभव है।

6जी में होंगे सबसे आगे: इंटरनेट के क्षेत्र में 5जी के बाद उम्मीद है कि साल के आखिर तक अब 6जी तकनीक भी लांच हो जाएगी। यदि यह संभव हुआ तो हम इस मामले में जापान को पीछे छोड़ देंगे। यही नहीं हम दक्षिण कोरिया, चीन और फिनलैंड से भी आगे होंगे, जो 6जी की अभी तैयारी कर रहे हैं। बेशक यह एक बड़े बदलाव का वाहक बनेगा।

इसरो के कई प्रोजेक्ट्स होंगे पूरे: इसरो इसी साल अपने अति महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट गगनयान को लांच करेगा। निर्णायक प्रक्षेपणपूर्व वह कुछ परीक्षण करेगा, सुरक्षा उपायों को परखेगा। इसके अलावा इसरो इस साल लगभग 10 महत्वपूर्ण मिशन लांच करने वाला है और कुछ उल्लेखनीय तकनीक विकसित कर विश्वपटल पर अपना नाम दर्ज कराएगा। बीते बरस इसरो ने कहा था कि अंतरिक्षीय मिशन में महत्वपूर्ण तकनीक प्रणाली ईसीएलएसएस वह खुद विकसित करेगा। अब तक वह केवल रॉकेट और उपग्रह बनाता रहा था, उसे उम्मीद थी कि विदेशों से हुए कई समन्वयकारी समझौतों के तहत इसकी तकनीक हासिल करके वह इसे अपने वहां बना लेगा, लेकिन जब कई दौर की बातचीत के बावजूद कोई राजी ना हुआ तो उसने इसे अपने स्तर पर विकसित करने का फैसला लिया। इस बरस इसका विकास इस क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगा। उम्मीद है आज या कल में आदित्य एल-1 अपने मुकाम यानी धरती से 15 लाख किमी. दूर लैग्रेंज प्वाइंट पर पहुंच जाएगा। यह उसकी एक और बड़ी उपलब्धि साबित होगी।

इस साल इसरो अपने द्वारा विकसित पीएसएलवी, जीएसएलवी और एलबीएम-3 के जरिए उपग्रहों को प्रक्षेपित करेगा। एसएसएलवी की तीसरी विकास उड़ान पर गगनयान कार्यक्रम के तहत दो मानव रहित मिशन के अलावा वह इनसैट 3डीएस, एक्स-रे, पोलरीमीटर और दूसरे महत्वपूर्ण उपग्रह भी लांच करेगा। साल के आखिर में शुक्रयान की तैयारी है तो मध्य में मंगलयान-2 की। गगनयान मिशन में मानव सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए, इंजीनियरिंग प्रणालियों और मानव केंद्रित प्रणालियों सहित

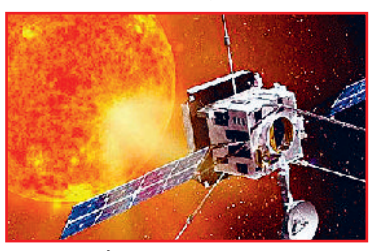

विभिन्न नई प्रौद्योगिकियों को विकसित करने के परिणाम इसी साल दिखेंगे। विभिन्न स्थितियों के तहत गगनयान क्रू एस्केप सिस्टम के लिए एक परीक्षण वाहन का उपयोग करने वाले कई उप-कक्षीय मिशनों की भी योजना इस वर्ष लागू होगी।

महाराष्ट्र के हिंगोली में एलआईजीओ-इंडिया नाम से जो लेजर इंटरफेरोमीटर ग्रैविटेशनल वेव ऑब्जर्वेटरी विकसित किया जाना शुरू किया गया है, जो ब्लैकहोल और न्यूट्रन स्टार जैसे विशाल खगोल भौतिकी वस्तुओं के विलय के दौरान उत्पन्न गुरुत्वाकर्षण तरंगों की पहचान करने में सक्षम है। उसमें इस बरस उल्लेखनीय प्रगति दिख सकती है।

कंप्यूटिंग टेक्नोलॉजी में तरक्की: इस बरस कई वजहों से साइबर सुरक्षा बड़ी चिंता होगी, इसलिए ब्लॉकचेन तकनीक में प्रगति लाजिमी है। स्मार्ट सिटी की परियोजनाएं इस बरस भी पूरी नहीं होंगी, लेकिन क्रिप्टोग्राफी, पदार्थ विज्ञान में क्रांति करने में समर्थ क्वांटम कंप्यूटिंग टेक्नोलॉजी में इस बरस महत्वपूर्ण प्रगति दिखेगी। इसी साल मेटावर्स का तेजी से विस्तार हो सकता है। कुछ विश्लेषक कहते हैं कि मार्क जुकरबर्ग 2024 में मेटावर्स को विस्तार देंगे तो इसका असर भारत में भी दिखेगा।

विज्ञान महोत्सवों का होगा आयोजन : छात्रों, शिक्षकों, वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, उद्योग के पेशेवरों, उद्यमियों तथा विज्ञान संप्रेषकों जैसे व्यक्तियों के लिए एक मंच प्रदान करने के उद्देश्य से अंतरराष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव का 9वां संस्करण 17 से 20 जनवरी 2024 तक हरियाणा के फरीदाबाद में आयोजित होगा। कुल मिलाकर विज्ञान-तकनीक क्षेत्र का परिदृश्य इस वर्ष उत्साहवर्धक रहने वाला है। *

अंडरग्राउंड सिटी कूबर पेडी

{ रोचक }

ऑस्ट्रेलिया में एक ऐसा शहर मौजूद है, जो जमीन के नीचे बसा हुआ है। कूबर पेडी नाम के इस शहर को दुनियाभर में अंडरग्राउंड सिटी के नाम से भी जाना जाता है।

कूबर पेडी शहर के बसने के पीछे बड़ी रोचक कहानी है। दरअसल, इसके बसने की शुरुआत आज से करीब 110 साल पहले हुई थी। जहां आज यह शहर मौजूद है, वहां बेशकीमती ओपल जेमस्टोन काफी मात्रा में पाए जाते थे। बता दें, ओपल जेमस्टोन एक महंगा रत्न होता है, जिसे अंगूठी में लगाकर पहना जाता है। इस शहर को 'ओपल कैपिटल ऑफ द वर्ल्ड' के नाम से भी जाना जाता है। इस पाताललोक शहर में स्वीमिंग पूल, पब और होटल जैसी सभी सुविधाएं मौजूद हैं और यहां गोल्फ कोर्स और म्यूजियम भी हैं। यहां कई फिल्मों की शूटिंग भी की जा चुकी है। मीडिया रिपोर्ट की माने तो, इस शहर के करीब दो हजार लोग अंडरग्राउंड घरों में ही रहते हैं।

कूबर पेडी रेतीली और चट्टानी जगह है और यहां के मौसम का मिजाज तेजी से बदलता रहता है। रेगिस्तान में होने की वजह से यहां का तापमान सामान्य से बहुत अधिक रहता है। तेज गर्मी से खुद को बचाने के लिए यहां के लोग उन गड्ढों में घर बनाकर रहते हैं, जो ओपल जेमस्टोन के खनन की वजह से बन गए थे। धरातल से नीचे होने की वजह से इन गड्ढों में बने घरों में तापमान कम होता है। इसकी वजह से यहां रहने वाले लोगों को गर्मी से बचने के लिए कूलर, पंखे और एसी की जरूरत नहीं पड़ती है। यहां बने हाइब्रिड एनर्जी पावर प्लांट से शहर की 70 फीसदी पावर की जरूरत पूरी होती है। बड़ी संख्या में देश-विदेश के लोग इस शहर को देखने के लिए आते हैं। *

-हरीशचंद्र पांडे

{ बड़ा पर्दा / हेमंत पाल }

अगर आप फिल्मों के शौकीन हैं तो अपनी फेवरेट फिल्म या हीरो का कोई ना कोई डायलॉग जरूर याद होगा। ब्लैक एंड व्हाइट के जमाने से लेकर हाल के दशकों तक की कई फिल्मों के ऐसे पॉपुलर डायलॉग्स हैं, जिन्हें लोग आज भी नहीं भूल पाए हैं।

आज भी हैं लोगों को याद पॉपुलर फिल्मी डायलॉग

समाज को सिनेमा बहुत ज्यादा प्रभावित करता है। यह तथ्य अच्छे और बुरे दोनों संदर्भों में है और भाषा के संबंध में भी। सिनेमा में प्रयुक्त हर शब्द और संवाद का अपना अलग असर होता है। अगर समाज में किसी शब्द, वाक्य या विचार को चलन में लाना है, तो उसका फिल्म में प्रयोग करके उसको लोकप्रिय बनाया जा सकता है। ऐसे कई शब्द और संवाद हैं, जो सिर्फ सिनेमा की वजह से चलन में आए। आशय यह कि सिनेमा के संवादों की भाषा के प्रभाव को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। वास्तव में जीवन में हम सिनेमा की भाषा से पात्रों के व्यवहार को समझते हैं और दृश्यों से कथानक को। फिल्म देखने के बाद तो कई संवाद हमारी बोल चाल का हिस्सा तक बन जाते हैं। कुछ फिल्मों के संवाद फिल्म इतिहास में बहुत ज्यादा चर्चित हुए हैं। फिल्म के कुछ संवाद लोगों की जुबान पर ऐसे चढ़ गए, जैसे उन्हीं के लिए लिखे गए हों।

'शोले' का फेमस डायलॉग- 'कितने आदमी थे?'

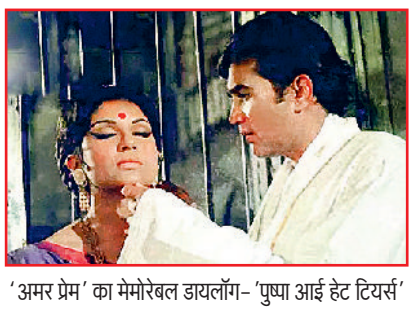

'अमर प्रेम' का मेमोरेबल डायलॉग- 'पुष्पा आई हेट टियर्स'

पुराने दौर से जारी है सिलसिला: इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है कि कहानी किसी भी फिल्म की जान होती है। कहानी ही फिल्म में रंग भी भरती है। लेकिन उसी कहानी में अगर सटीक और प्रभावी संवादों का सहारा मिल जाए तो फिल्म की पहचान सालों तक बनी रहती है। हालांकि अब फिल्मों में याद रह जाने लायक संवाद कम ही सुनाई देते हैं। आजादी से पहले जरूर कुछ फिल्में सिर्फ संवादों की वजह से ही चर्चित हुई थीं। सोहराब मोदी की 'पुकार' और 'सिकंदर' ऐसी ही फिल्में थीं। बीआर चोपड़ा की 'कानून' और 'इंसाफ का तराजू' में संवादों से ही कानून की कमियों को उभारा गया।

'मुगले आजम' में पृथ्वीराज

डायलॉग्स से मिली फिल्मों को पहचान: कुछ फिल्में तो सिर्फ उनके संवादों के कारण ही आजतक याद की जाती हैं। ऐसी फिल्मों में 'मुगले आजम', 'शोले', 'दीवार' सबसे प्रमुख हैं। पृथ्वीराज कपूर द्वारा 'मुगले आजम' में बोला गया संवाद 'सलीम की मोहब्बत तुम्हें मरने नहीं देगी और हम तुम्हें जीने नहीं देंगे।' इसी तरह 'शोले' का डायलॉग 'तेरा क्या होगा कालिया!' और 'कितने आदमी थे?' और इसी तरह 'दीवार' का डायलॉग 'मेरे पास मां है।' ऐसे संवाद हैं, जिनको सुनते ही पूरी फिल्म याद आ जाती है। सहजता से बोले गए इन संवादों ने फिल्मों को कालजयी बनाने में खास योगदान दिया।

'मिस्टर इंडिया' में अमरीश पुरी

ये डायलॉग्स भी हुए पॉपुलर: अमिताभ बच्चन का फिल्म 'डॉन' का संवाद 'डॉन का इंतजार तो ग्यारह मुल्कों की पुलिस कर रही है, लेकिन डॉन को पकड़ना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन है।' आज भी सुनाई देता है, तो आंखों के सामने अमिताभ का शातिर चरित्र घूम जाता है। शत्रुघ्न सिन्हा जब अपने करियर के शिखर पर थे, तब 'कालीचरण' और 'विश्वनाथ' के संवाद गली-गली में सुनाई देते थे और भी उनकी पहचान बने हुए हैं।

डायलॉग्स ने बना दी इमेज: संवादों का जोरदार असर तभी अच्छा होता है, जब उसे उसी शिद्दत से बोलने वाला एक्टर भी मिले। तभी हर संवाद चरित्र की पहचान से जुड़ता भी है। राजकुमार, शत्रुघ्न सिन्हा और नाना पाटेकर के संवादों में अकड़ की झलक देखी गई है। लेकिन, राजकुमार के 'पाकीजा' में बोले गए उनके एक संवाद ने उनकी पहचान ही बदल दी थी। वो संवाद था 'आपके पैर देखे, बहुत हसीन हैं। इन्हें जमीन पर मत उतारिएगा मैले हो जाएंगे।' इसी तरह रोमांटिक हीरो राजेश खन्ना का 'अमर प्रेम' का संवाद 'पुष्पा, आई हेट टियर्स।' लोग भूले नहीं हैं।

विलेन के पॉपुलर डायलॉग: अजित, प्रेम चोपड़ा और अमरीश पुरी के बोले हर संवाद में क्रूरता का अंदाज झलकता था। प्रेम चोपड़ा का 'बॉबी' में बोला गया संवाद कितना सहज है 'प्रेम नाम है मेरा, प्रेम चोपड़ा।' लेकिन उनकी अदायगी की क्रूरता ने इसे यादगार बना दिया। 'कालीचरण' में अजित का संवाद 'सारा शहर मुझे लॉयन के नाम से जानता है' और 'मिस्टर इंडिया' में अमरीश पुरी का 'मोगैंबो खुश हुआ।' भी अपने अंदाज की वजह से यादगार बना हुआ है। *